छत्तीसगढ़ विधान सभा

की

अशोधित कार्यवाही

(अधिकृत विवरण)

पंचम विधान सभा **षोडश सत्र**

गुरुवार, दिनांक 02 मार्च, 2023

(फाल्गुन 11, शक सम्वत् 1944)

[अंक 02]

Web copy

छत्तीसगढ विधान सभा

गुरूवार दिनांक 2 मार्च 2023

(फाल्गुन 11 शक सम्वत् 1944)

विधान सभा पूर्वान्ह 11.00 बजे सम्वेत् हुई ।

{अध्यक्ष महोदय (डॉ.चरणदास महंत) पीठासीन हुये}

<u>निधन का उल्लेख</u>

(1) श्री पुनीत राम साहू, अविभाजित मध्यप्रदेश विधान सभा के पूर्व सदस्य ।

(2) श्री राधेश्याम शर्मा, अविभाजित मध्यप्रदेश विधान सभा के पूर्व सदस्य ।

श्री अमरजीत भगत **:-** वेरी स्मार्ट ।

श्री शैलेष पाण्डेय :- अध्यक्ष जी, आज गुरूवार है ।

श्री धर्मजीत सिंह :- कल से राज्यपाल जी के अभिभाषण के बाद अमरजीत के ऊपर सबसे ज्यादा असर हुआ है । वे कल से अंग्रेजी बोल रहे हैं । यू आर टाकिंग स्पीक इन इंग्लिश । हम लोगों को भी थोड़ा असर हो रहा है ।

अध्यक्ष महोदय **:-** मुझे सदन को सूचित करते हुये अत्यन्त दुःख हो रहा है कि अविभाजित मध्यप्रदेश विधान सभा के पूर्व सदस्य, श्री पुनीत राम साहू जी, का दिनांक 15 जनवरी, 2023 तथा अविभाजित मध्यप्रदेश विधान सभा पूर्व सदस्य, श्री राधेश्याम शर्मा जीका दिनांक 23 जनवरी, 2023 को निधन हो गया है ।

श्री पुनीत राम साहू का जन्म 1 जनवरी, 1943 को ग्राम-बासीन, तहसील- राजिम, तत्कालीन जिला-रायपुर में हुआ था । श्री पुनीत राम साहू जी का मुख्य व्यवसाय कृषि था । वे ग्राम पंचायत बासीन के सरपंच, जनपद पंचायत फिंगेश्वर के जनपद अध्यक्ष तथा मंडी समिति राजिम के मंडी अध्यक्ष रहे । वे भारतीय जनता पार्टी की टिकट पर राजिम निर्वाचन क्षेत्र से सन् 1985 में अविभाजित मध्यप्रदेश विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए । उन्होंने किसानो के हितों के लिये सदैव संघर्ष किया । उनकी राजनीतिक एवं सामाजिक कार्यों में विशेष अभिरूचि थी ।

उनके निधन से प्रदेश ने एक वरिष्ठ राजनेता तथा समाजसेवी को खो दिया है।

श्री राधेश्याम जी शर्मा का जन्म 21 मई, 1944 को रायपुर में हुआ था । उन्होंने बी.ए.एलएलबी. की शिक्षा प्राप्त की थी । उनका मुख्य व्यवसाय कृषि था । युवावस्था से ही उन्होंने सहकारी आन्दोलन तथा युवक कांग्रेस के माध्यम से राजनीति जीवन प्रारंभ कर दिया था । वे अनेक सहकारी संस्थाओं के

सदस्य एवं पदाधिकारी रहे तथा सहकारिता आंदोलन का अध्ययन करने हेतु उन्होंने अनेक देशों की यात्रा की । भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी की टिकट पर वे सन् 1998 में भाटापारा विधान सभा क्षेत्र से अविभाजित मध्यप्रदेश विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए । उनकी सहकारिता के क्षेत्र में विशेष अभिरूचि थी ।

उनके निधन से प्रदेश ने एक वरिष्ठ राजनेता तथा समाजसेवी को खो दिया है।

मुख्यमंत्री (श्री भूपेश बघेल) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, किसान नेता और छत्तीसगढ़ के त्रिवेणी संगम क्षेत्र यानी राजिम के पूर्व विधायक, पुनीतराम साहू जी का निधन 80 वर्ष की आयु में 16 जनवरी 2023 को हुआ । साहू जी का जन्म बासीन के खपरीपारा में एक कृषक परिवार में हुआ था । अध्यक्ष महोदय, वे सादगी और जनसेवा के लिये जाने जाते थे । साहू जी, हमेंशा गरीबों के लिये, मजदूरों के लिये, काम करते रहे । 25 साल की उम्र में ही जो अपने गांव के खदान है, उसमें मजदूर संघ के अध्यक्ष हो गये । 1970 में सहकारिता सोसायटी के अध्यक्ष बने । वर्ष 1975 से 1980 तक वह फिंगेश्वर जनपद के अध्यक्ष के रूप में काम किया । वर्ष 1996 में कृषि उपज मंडी राजिम के अध्यक्ष बने और 1985 से 1990 तक वे विधायक चुने गये । वे आजीवन जनसमस्या को लेकर संघर्षरत् रहे । साहू जी का निधन राजिम विधान सभा के लिये एक अपूरणीय क्षति है । मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि उन्हें अपने चरणों में स्थान दें और परिवार को दुःख सहने की क्षमता प्रदान करे ।

अध्यक्ष महोदय, राधेश्याम शर्मा जी के साथ हम लोग विधायक थे । उनका निधन 23 जनवरी 2023 को हुआ । राधे भईया का जन्म 21 मई 1943 को हुआ था, वे बी.ए.एल.एल.बी. तक की शिक्षा प्राप्त किये । अधिवक्ता के रूप में अपने कैरियर की शुरूआत की । सार्वजनिक जीवन में वह सक्रिय रहे । रायपुर जिला कांग्रेस कमेटी के रूप में पार्टी को अपनी सेवायें दी और वर्ष 1993 से लेकर वर्ष 1998 तक विधान सभा में सदस्य रहे । मुखर व्यक्तित्व के धनी, बेलाग, बिना कोई लागलपेट के वे हमेंशा बात करते थे । सहकारिता क्षेत्र में उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता । उन्होंने मध्यप्रदेश की विधान सभा में कई समितियों के सभापति के रूप में, नाबार्ड के चेयरमैन के रूप में, किसान कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष के रूप में, रायपुर जिला में सहकारी भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष के रूप में, इफ्को और क्रिभको के सदस्य के रूप में, भारतीय राष्ट्रीय सहकारी यूनियन के चयनित प्रतिनिधि के रूप में और उन्होंने आदि अनेक पदों पर काम किया। इस कारण से उनका सहकारिता के क्षेत्र में गहरा अनुभव रहा है। वे बहुत लम्बी बीमारी से जूझते रहे लेकिन उस स्थिति में भी उनकी सक्रियता में कभी कोई कमी नहीं आई। वे आम जनता से जुड़े हुए मुद्दों को लगातार उठाते रहे। वे भूतपूर्व विधायकों के संगठन को लेकर, उनकी समस्याओं को लेकर भी कई बार अध्यक्ष जी से और हम लोगों से मिलते रहे, उससे अवगत कराते रहे। उनके जाने से एक अपूरणीय क्षति हुई है। अध्यक्ष महोदय, मैं दोनों सदस्य आदरणीय पुनीत राम साहू जी एवं आदरणीय राधेश्याम शर्मा जी को श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं।

नेता प्रतिपक्ष (श्री नारायण चंदेल) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने जिन दो पूर्व सदस्यों के निधन का उल्लेख किया, मैं आपकी भावनाओं से अपनी भावनाओं को और अपने दल की भावनाओं को समाहित करता हूं। सम्माननीय पुनित राम साहू जी ने राजिम विधान सभा क्षेत्र से विधायक के रूप में प्रतिनिधित्व किया। वे एक जनसेवक के रूप में जाने जाते थे। उनकी पृष्ठभूमि कृषक परिवार से थी। मैं आपको बताना चाहता हूं कि पुनित राम जी, किसानों के आंदोलन को लेकर, किसानों की समस्याओं को लेकर सदैव सक्रिय रहे, जागरूक रहे और उन्होंने अनेक बार किसानों के, मजदूरों के, सर्वाहारा लोगों के, आम आदमी की समस्याओं को लेकर बड़े-बड़े आंदोलनों का नेतृत्व किया। वे सड़क से सदन तक लगातार आम आदमी की समस्याओं को उठाते रहे। मैं आपको यह भी जानकारी देना चाहता हूं कि वे बहुत कालखण्ड तक बिना चप्पल के चलते थे, वे चप्पल नहीं पहनते थे। उन्होंने उम्र के आखिरी पड़ाव में चप्पल पहनना शुरू किया। हम उन्हें अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। सम्माननीय राधेश्याम शर्मा जी, जो वर्ष 1993 से लेकर 1998 तक भाटापारा विधान सभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते थे। वे एक सहकारिता पुरूष के नाम से जाने जाते थे। उन्होंने सहकारिता के क्षेत्र में बहुत लम्बे समय तक काम किया। वे सहकारिता आंदोलन में एक अग्रणी भूमिका निभाते थे। एक अच्छे जनप्रतिनिधि के रूप में उनकी ख्याति रही। हम पुनीत राम साहू जी को और राधेश्याम शर्मा जी को, उनके आकस्मिक निधन पर अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि ईश्वर उन्हें अपने श्री चरणों में स्थान दें। ईश्वर उनके परिवारजनों को इस दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें। हम अपनी गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए, मैं अपनी और अपने दल की ओर से दोनों को विनम्र श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं।

श्री शिवरतन शर्मा (भाटापारा) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, आज सदन जिन दो विभूतियों को श्रद्धांजलि अर्पित कर रहा है। वे दोनों मध्यप्रदेश विधान सभा के पूर्व विधायक रहे हैं। लेकिन दोनों के कार्य करने का ढंग बहुत अलग था। माननीय पुनित राम साहू जी जितने सहज, सरल थे, जैसा बताया गया कि वे किसान पृष्ठभूमि से थे। वे जिस विधान सभा से आते थे, वह विधान सभा आदरणीय श्यामा चरण शुक्ल जी का क्षेत्र था। जिस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व स्वयं मुख्यमंत्री करते हो, उस क्षेत्र में विपक्ष में रहते हुए जनपद अध्यक्ष बनना, मण्डी का अध्यक्ष बनना, विधायक बनना, एक बहुत बड़ी बात होती है। यह सब कुछ उन्होंने अपनी सहजता, अपनी मेहनत और अपनी सरलता के चलते प्राप्त किया। उनकी स्थिति यह थी कि अभी दो साल पहले मैं और बृजमोहन अग्रवाल जी एक कार्यक्रम में गरियाबंद गये थे, तब हम रास्ते में रूके और बृजमोहन जी ने पुनित राम जी को विशेष रूप से बुलाने के लिए भेजा, तो पता चला कि पुनित राम जी 78 साल की उम्र में खेत में खातू छींट रहे हैं। वे आखिरी तक सक्रिय रहे। वे मजाक में एक बात बोलते थे कि भले मोर राजिम क्षेत्र, मुख्यमंत्री जी का क्षेत्र है गा, पर मोर जियत ले मोर गांव में कांग्रेस कभी नहीं जितै। और वास्तव में बासिन उनके चलते हमेशा भारतीय जनता पार्टी

का गढ़ रहा और ऐसे सहज, सरल व्यक्तित्व का जाना, न सिर्फ राजिम क्षेत्र, पूरे प्रदेश, देश के लिए हानि है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय श्री राधेश्याम शर्मा जी एक दबंग व्यक्तित्व के धनी थे। मुझे दो बार उनके आमने-सामने चुनाव लड़ने का अवसर आया। मैं एक बार चुनाव जीता, एक बार चुनाव हारा। सहकारिता के क्षेत्र में भी हम लोग तीन बार आमने-सामने भाटापारा क्षेत्र में टकराए। जैसा कि माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वह बेबाक बोलते थे। वह मध्यप्रदेश विधान सभा के सदस्य थे। उस समय माननीय दिग्विजय सिंह जी मुख्यमंत्री थे। एक बार उन्होंने दिग्विजय सिंह जी के लिए सार्वजनिक रूप से कहा था कि यह सरकार अली बाबा और 40 चोर की सरकार है। माने अपनी पार्टी के खिलाफ भी अगर उनको कोई बात नहीं जची तो वह बहुत स्पष्ट रूप से कहते थे। दूसरी उनकी विशेषता यह थी कि चुनाव के दौरान जितना वाद-विवाद हो, चुनाव के निपटने के तत्काल बाद बहुत सहज ढंग से पहल करके बातचीत शुरू करते थे। मैं एक चुनाव लड़ रहा था और तनावपूर्ण स्थिति यह बनी कि उनने गुस्से से मेरे ऊपर रिवाल्वर निकाल लिया, उस दिन पोलिंग थी, पर जैसे ही 5.00 बजे मतदान खत्म हुआ और हमारी आमने-सामने की भेंट हुई तो मुझे चाय पीने के लिए साथ बैठा लिया। उन्होंने कहा कि चुनाव निपट गया, विवाद खत्म हो गया। सहकारिता के चुनाव के दौरान एक बार हम लोगों की बीच काफी मारपीट हुई, पर जैसे ही चुनाव निपटा। उसके बाद सारी चीजों का हमने हल किया। माने स्थिति यह थी कि चुनाव के दौरान जो हो, चुनाव के बाद मन में कोई बात नहीं रखते थे। चुनाव गया, चुनाव की बात गई, यह बात उनके मन में रहती थी। उनका दबंग व्यक्तित्व था। वह क्षेत्र विकास के लिए लड़ाई लड़ते थे और उन्होंने भाटापारा विधान सभा क्षेत्र में बहुत से काम विकास के कराये हैं। वह माननीय अकबर साहब के परम मित्र थे। मैं उन्हें अपनी श्रद्धांजलि देता हूँ। परम पिता परमेश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि दोनों मृत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और परिवार को दु:ख सहने की क्षमता प्रदान करें।

माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद्।

अध्यक्ष महोदय :- माननीय मरकाम जी, आप कुछ बोलना चाहते हैं क्या ?

मैं सदन की ओर से शोकाकुल परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूँ। दिवंगतों के सम्मान में सदन कुछ देर मौन धारण करेगा।

(सदन द्वारा खड़े होकर दो मिनट का मौन धारण किया गया)

अध्यक्ष महोदय :- दिवंगतों के सम्मान में सदन की कार्यवाही दस मिनट के लिए स्थगित ।

(11.13 से 11.36 बजे तक कार्यवाही स्थगित रही)

समय :

11.36 बजे **(उपाध्यक्ष महोदय (श्री संतराम नेताम) पीठासीन हुए)**

श्री शैलेश पांडे :- माननीय उपाध्यक्ष जी, आपका स्वागत है।

मुख्यमंत्री (श्री भूपेश बघेल) :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आप आसंदी में प्रथम बार विराजमान हुए हैं, आपका बहुत-बहुत स्वागत है।

श्री अजय चन्द्राकर (कुरूद) :- माननीय उपाध्यक्ष जी, आप तो हम लोगों की अनुपस्थिति में चुने गये। हमको जान-बूझकर अनुपस्थित रखा गया। फिर भी हम दल की ओर से, व्यक्तिगत तौर पर, आपको सबकी ओर से बधाई देते हैं।

नेता प्रतिपक्ष (श्री नारायण चंदेल) :- माननीय उपाध्यक्ष जी, आप आसंदी पर विराजमान हैं, आपको बहुत-बहुत बधाई, शुभकामनाएं।

उपाध्यक्ष महोदय :- आप सभी को धन्यवाद। डॉ. लक्ष्मी ध्रुव।

तारांकित प्रश्नों के मौखिक उत्तर

सिहावा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नल जल योजना के तहत पानी टंकी निर्माण

[लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी]

1. (*क्र. 231) डॉ. लक्ष्मी ध्रुव : क्या लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि :- **(क)** सिहावा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत कितने ग्रामों में नल जल योजना के तहत पानी टंकी का निर्माण कराया गया है ? उक्त निर्माण कार्य की कार्य एजेंसी का नाम एवं पता सहित जानकारी देवें ? **(ख)** स्वीकृत नल जल योजना कौन-कौन से ग्रामों में चालू है तथा कौन-कौन से ग्रामों में बंद पड़ी है, ग्रामवार जानकारी देवें ?

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री (श्री गुरु रुद्र कुमार) : (क) सिहावा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत 60 ग्रामों में नलजल योजना के तहत् पानी टंकियों का निर्माण कार्य कराया गया है। कार्यवार कार्य एजेंसियों के नाम एवं पता सहित जानकारी संलग्न **प्रपत्र अनुसार**[1] है। **(ख)** स्वीकृत नलजल योजनाओं में से 50 ग्रामों में चालू है एवं 10 ग्रामों की योजनाएं बंद (प्रगतिरत) है। ग्रामवार जानकारी संलग्न **प्रपत्र अनुसार** है।

[1] परिशिष्ट- "एक"

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैंने माननीय लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री जी से प्रश्न पूछा था, उसका जवाब मुझे मिल गया है। लेकिन मैं अनुपूरक प्रश्न में यह पूछना चाहती हूं कि जितने भी नल जल योजना के तहत पानी टंकी का निर्माण हुआ है और पाईपलाईन बिछाने का काम किया गया है, हर गांव में उसकी आने-जाने की सड़क को बहुत खोद दिया गया है, उसको पूर्ण नहीं किया गया है जिसके कारण अधिकांश बच्चे, सायकिल वाले गिर जा रहे हैं। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यही कहना चाहती हूं कि वह सारे काम को पूर्ण करा दें।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं दूसरा प्रश्न पूछना चाह रही हूं कि मेरे विधान सभा क्षेत्र में बहुत सारे गांव सूखा से पीड़ित हैं, जबकि वहां पर गंगरेल, मुरूमसिल्ली और सोढ़ूर डेम है। लेकिन सियादई, मोहलई, पथरीडीह में पानी नहीं है, वहां के ग्रामीण बहुत परेशान हैं। उसके अलावा आगे चले जायें तो मोंहदी, मगरलोड में भी पानी का बहुत संकट है। पिछली बार मैंने इसके लिए बहुत ज्यादा प्रयास किया था।

उपाध्यक्ष महोदय :- आप सीधे प्रश्न कीजिए कि आपके यहां क्या समस्या है? माननीय मंत्री जी उसका जवाब देंगे।

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं यह पूछना चाह रही हूं कि जो गांव सूखाग्रस्त हैं, वहां अभी तक नलजल योजना के तहत पानी की व्यवस्था नहीं है। जहां समस्या नहीं है, वहां पहले न करके, जहां नल जल योजना नहीं है, पानी की समस्या है, सूखाग्रस्त है, वहां एक सर्वे करके उनको किस प्रकार से पानी दिया जायेगा। सियादई, मोहलई, पथरीडीह, अमलीडीह, मोंहदी, मगरलोड, कपालफोड़ी गांव हैं। इन गावों की जनता को सुचारू रूप से पानी मिल सके, क्या इसकी व्यवस्था करा देंगे ?

श्री गुरू रूद्र कुमार :- माननीय उपाध्यक्ष जी, सबसे पहले तो आपको बधाई देता हूं। निश्चित तौर पर जो योजनायें पूर्ण हो चुकी हैं, आपकी चिंता जायज है। मैं आपके सामने ही निर्देश दे रहा हूं कि जो-जो योजनायें पूरी हो चुकी हैं, वहां पर सर्वे करवा लें। अगर ऐसे गढ्ढे वहां पर होंगे तो उसको तत्काल प्रभाव से रिपेयर कर करवा दिया जाये।

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- रोड को, रास्ते को खोद दिया गया है।

श्री गुरू रूद्र कुमार :- हॉ, उसी को कह रहा हूं। उस रोड को तत्काल प्रभाव से रिपेयर करवाया जाये।

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- माननीय मंत्री जी, जो सूखाग्रस्त गांव हैं, उसके बारे में जानकारी देने का कष्ट करें।

श्री गुरू रूद्र कुमार :- मैं उसी को बता रहा हूं। आपके विधान सभा क्षेत्र में जो सूखाग्रस्त एरिया है, वहां के लिए दो multi village scheme बनकर तैयार है, एक साकरा समूह जल प्रदाय योजना है और

दूसरा घटुला समूह जल प्रदाय योजना है, जिसमें साकरा समूह जल प्रदाय योजना के अंतर्गत 40 गांवो को, घटूला समूह जल प्रदाय योजना के अंतर्गत 36 गावों को लिया जा रहा है। आप निश्चिंत रहें।

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- लेकिन माननीय मंत्री महोदय, उधर सूखा नहीं है। जो पानी की दिक्कत है, वह कुकरेल ग्राम के आसपास है और सीता, सियादाई, मोहलाई, मोहंदी, पथरींडिही, मगरलोड, कपालफोड़ी और अमलीडीह में है।

श्री गुरू रूद्र कुमार :- आपने जितने गांवों का नाम बताया है, उन सबको नोट कर लिया गया है। निश्चिंत तौर पर मैं आपको वहां की योजना की जानकारी उपलब्ध करा दूंगा।

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- धन्यवाद सर।

उपाध्यक्ष महोदय :- माननीय अजय चंद्राकर जी।

श्री अजय चंद्राकर :- माननीय मंत्री जी, यह मेरे जिले का प्रश्न है। आपने जो पूर्ण बताया है। डॉ. लक्ष्मी ध्रुव जी जितना नहीं जानती हैं, उतना मैं जानता हूं। आपने मोहंदी, भोथीडीह, राचाडीह को पूर्ण बताया है। पूर्ण से आपका क्या अभिप्राय है? पहले तो यह बता दीजिये, फिर उसके बाद मैं एक और छोटा-सा प्रश्न कर लूंगा।

श्री गुरू रूद्र कुमार :- पूर्ण का मतलब complete। (हंसी)

श्री अजय चंद्रकार :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, यही कारण है। उतना तो मैं भी जानता हूं। मेरे सामने और मेरे सामने नहीं तो माननीय लक्ष्मी ध्रुव जी के सामने भौतिक सत्यापन करवायेंगे क्या कि यदि कार्य पूर्ण हो गया है तो उन चारों गांवों में पानी सप्लाई हो रही है क्या? यदि उसको पूर्ण मानते हैं तो?

उपाध्यक्ष महोदय :- आपका दो प्रश्न हो गया। अब आप इसके बाद में प्रश्न नहीं पूछ सकते।

श्री अजय चंद्राकर :- उपाध्यक्ष महोदय, उत्तर क्लियर नहीं है। मेरे सामने या लक्ष्मी ध्रुव जी के सामने पानी मिल रहा है या नहीं मिल रहा है, इसका वह भौतिक सत्यापन करवा लें।

श्री गुरू रूद्र कुमार :- सम्माननीय विधायक जी के सामने हम भौतिक सत्यापन करवा लेंगे।

उपाध्यक्ष महोदय :- श्री दलेश्वर साहू जी।

प्रश्न संख्या 02 :- XX XX

श्री अजय चंद्राकर :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, एक भी योजना पूरी नहीं हुई है।

उपाध्यक्ष महोदय :- श्री प्रकाश शक्राजीत नायक जी।

<u>डीएमएफ मद से रायगढ़ एवं धरमजयगढ़ वन मण्डल को प्राप्त राशि एवं व्यय</u>

[वन एवं जलवायु परिवर्तन]

3. (*क्र. 35) श्री प्रकाश शक्राजीत नायक : क्या वन मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि :- **(क)** रायगढ़ जिला अंतर्गत सत्र 2019-20 एवं 2020-21 में डीएमएफ मद से रायगढ़ एवं धरमजयगढ़ वन मण्डल को किन-किन कार्यों हेतु, कितनी-कितनी राशि प्राप्त हुई थी ? **(ख)** वन विभाग द्वारा प्राप्त राशि में से कितनी-कितनी राशि, किन-किन कार्यों में व्यय की गई ? क्या सामग्री खरीदी में क्रय नियमों का पालन किया गया है ?

वन मंत्री (श्री मोहम्मद अकबर) : (क) रायगढ़ जिला अंतर्गत डी.एम.एफ. मद से वित्तीय वर्ष 2019-20 में वन्यप्राणी जंगली हाथियों से सुरक्षा कार्य हेतु 27.82 राशि (लाख में) प्राप्त हुई है तथा वित्तीय वर्ष 2020-21 में कार्य की स्वीकृति निरंक है। वनमण्डलवार विवरण निम्नानुसार है -

क्र	वित्तीय वर्ष	वनमण्डल	कार्य का नाम	प्राप्त राशि (लाख में)
1	2019- 20	धरमजयगढ़	वन्यप्राणी सुरक्षा	18.550
2	2019-20	रायगढ़	वन्यप्राणी सुरक्षा	9.275
3	2020- 21	धरमजयगढ़	-	-
4	2020- 21	रायगढ़		

(ख) प्राप्त राशि में से व्यय राशि का वनमण्डलवार विवरण निम्नानुसार है -

क्र	वित्तीय वर्ष	वनमण्डल	कार्य का नाम	व्यय राशि (लाख में)
1	2019- 20	धरमजयगढ़	वन्यप्राणी सुरक्षा	14.480
2	2019-20	रायगढ़	वन्यप्राणी सुरक्षा	1.705
3	2020- 21	निरंक		

जी हां, सामग्री खरीदी में क्रय नियमों का पालन किया गया ।

श्री प्रकाश शक्राजीत नायक :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय वन मंत्री जी से यह पूछना चाहूंगा कि रायगढ़ जिला के अंतर्गत वर्ष 2019-20 व 2020-21 में डी.एम.एफ. मद से धरमजयगढ़ एवं रायगढ़ वन मण्डल को कितनी राशि दी गई? और उन राशियों का किन-किन कार्यों में व्यय की गई?

उपाध्यक्ष महोदय :- माननीय वन मंत्री जी।

श्री मोहम्मद अकबर :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, रायगढ़ वन मण्डल वर्ष 2019-20 में वन्यप्राणी से सुरक्षा में पेट्रोलिंग कार्य 4 लाख रूपये, व्यय राशि 82,983 रूपये है। इसी प्रकार से हाथी प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की सुरक्षा हेतु राशि 87,594 रूपये है। वर्ष 2019-20 में रायगढ़ वन मण्डल में हाथी प्रभावित क्षेत्रों में हाईबीम टार्च 1,50,000 एवं वर्ष 2019-20 में रायगढ़ हाथी व्यवहार के संबंध में जागरूकता संबंधी ग्रामीणों को प्रशिक्षण 2,25,000 रूपये है। इसी प्रकार से बहुत लंबी लिस्ट है। मैं आपको कॉपी दे दूंगा।

श्री प्रकाश शक्राजीत नायक :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, हाईबीम लाईट में दोनों वन मण्डलों में 6.5 लाख की खरीदी की गई है और वह नियम से खरीदी नहीं की गई है, रेट से बहुत ज्यादा ऊपर कीमत पर खरीदी की गई है। डी.एम.एफ. की राशि का बंदरबांट किया गया है। क्या आप दोनों वन मण्डल के राशि की जांच करायेंगे?

श्री मोहम्मद अकबर :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, 6 लाख नहीं, 1 लाख, 50 हजार की खरीदी की गई है।

श्री प्रकाश शक्राजीत नायक :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, 6 लाख रूपये की खरीदी की गई है और हाथी मित्र दल को भी 6 लाख रूपये दिया गया है। हाईबीम लाईट 6 लाख रूपये की खरीदी की गई है। आपके विभाग ने गलत जानकारी दिया है। कृपया उस विभाग से बोलिये कि सही जानकारी आ जाय।

श्री मोहम्मद अकबर :- माननीय उपाध्यक्ष महादेय, हाथी मित्र दल को 1,52,000 रूपये दिया गया है।

उपाध्यक्ष महोदय :- श्री सौरभ सिंह जी।

<u>प्रदेश में तेंदुपत्ता की खरीदी</u>

[वन एवं जलवायु परिवर्तन]

4. (*क्र. 1) श्री सौरभ सिंह : क्या वन मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि :- **(क)** पिछले 03 वित्तीय वर्ष और वर्तमान वित्तीय वर्ष में दिनांक 06/02/2023 तक प्रदेश में कुल कितनी तेंदुपत्ता की खरीदी हुई है? प्रतिवर्ष, उन पत्तों का कितना भुगतान किया गया है? **(ख)** पत्तों की नीलामी के बाद छत्तीसगढ़ लघु वनोपज संघ को कितना राजस्व का लाभ व कितना नुकसान हुआ है?

वन मंत्री (श्री मोहम्मद अकबर) : (क) पिछले 03 वित्तीय वर्ष और वर्तमान वित्तीय वर्ष में दिनांक 06.02.2023 तक प्रदेश में तेन्दुपत्ता संग्रहण एवं पारिश्रमिक भुगतान की जानकारी निम्नानुसार है:-

क्र.	वित्तीय वर्ष	संग्रहित मात्रा (मा.बो.)(लाख में)	वितरित संग्रहण पारिश्रमिक रू.) (करोड़ में)
1	2	3	4
1.	2019-20	15.05	602.24
2.	2020-21	9.72	389.15
3.	2021-22	13.05	522.20
4.	2022-23	15.79	631.76

(ख) छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ छत्तीसगढ़ शासन वन पर्यावरण, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग, मंत्रालय, रायपुर के आदेश क्रमांक 454/2001/व.प.स. दिनांक 23.02.2001 के अनुसार छत्तीसगढ़ तेन्दूपत्ता (व्यापार विनियमन) अधिनियम -1964 की धारा 4 तथा छत्तीसगढ़ वन उपज (व्यापार विनियमन) अधिनियम 1969 की धारा 4 के अंतर्गत अभिकर्ता के रूप में विनिर्दिष्ट वनोपजों के संग्रहण एवं विपणन का कार्य करता है । राज्य शासन के आदेशानुसार अभिकर्ता के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ द्वारा प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियों के माध्यम से तेन्दुपत्ता का संग्रहण करता है तथा छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ को प्रतिवर्ष इस कार्य हेतु मात्र रू. 1.00 का कमीशन देय है । अतः इस कमीशन के अतिरिक्त तेन्दूपत्ता से लाभ एवं हानि का कोई प्रश्न उत्पन्न नहीं होता ।

श्री सौरभ सिंह :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने अपने जवाब में दिया है कि प्रदेश के तेंदूपत्ता की खरीदी वर्ष 2019, 2020 और बीच के दो वर्ष मैं नहीं रहा हूं, क्योंकि उस समय कोरोना था। उसके बाद वर्ष 2022, 2023 में जो चार सालों में आपकी सरकार ने तेंदूपत्ता की खरीदी की है, उसमें सिर्फ 4.81 यानि लगभग 5 प्रतिशत आपकी ग्रोथ हुई है। यह ग्रोथ नहीं होने का क्या कारण है?

श्री मोहम्मद अकबर :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, यह तो प्राकृतिक व्यवस्था के ऊपर है। जितना तेंदुपत्ता जंगल में उगेगा, तो उसके आधार पर ही ग्रोथ आयेगा । यदि मौसम खराब है और यदि उतना उत्पादन नहीं हो पाया, तो उसमें ग्रोथ होने की कोई बात ही नहीं है।

श्री सौरभ सिंह :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आप वन क्षेत्र से आते हैं। तेंदूपत्ता की खरीदी दो प्रक्रिया के तहत की जा रही है। पहला, जो जंगल में ऑक्शन होता है और ऑक्शन में व्यापारी तेंदूपत्ता

लेकर चला जाता है और जो तेंदूपत्ते का ऑक्शन नहीं होता है, उसको वन विभाग वाले संग्रहण समिति में लाकर जमा कर लेते हैं और उसके बाद दिया जाता है। यह ग्रोथ न होने के दो कारण हैं या तो आपका जो व्यापारी है वह पूरे दिन पत्ता खरीदी करके नहीं ले जा रहा है इस कारण ग्रोथ नहीं हो रही है या फिर जो नक्सल प्रभावी क्षेत्र हैं । उसमें जितना पत्ते का संग्रहण होना था उतना संग्रहण नहीं हो रहा है तो मैं आपसे यह जानना चाहता हूं कि प्रदेश के जो नक्सल प्रभावी वनमंडल क्षेत्र हैं उनमें कितनी ग्रोथ हुई है प्लस या मायनस ?

श्री मोहम्मद अकबर :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, ये पूरे बहुत लंबे-चौड़े आंकड़े हैं । कितना प्लस-मायनस है उसकी जानकारी मैं आपको अलग से दे दूंगा लेकिन सवाल इस बात का है कि जो नक्सल प्रभावी क्षेत्र हैं उसमें भी जो हमारी 901 समितियां हैं उसके माध्यम से लगभग 13 लाख संग्राहक हैं और उसके माध्यम से खरीदी होती है । वह हमारे रिकॉर्ड में रहता है कि कितनी खरीदी हुई, कितना संग्रहण हुआ और उस संग्रहण के आधार पर ही विक्रय होता है बाकी यदि ग्रोथ की बात है तो वह पूरा एक केल्कुलेशन वाली बात है, मैं आपको उपलब्ध करा दूंगा ।

श्री सौरभ सिंह :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने अपने जवाब में कहा है कि लघु वनोपज संघ में एक रूपये का कमीशन लेकर लघु वनोपज संघ कार्य करती है । मैं आपसे जानना चाहता हूं कि जिन पत्तों में 4000 के ऊपर का ऑक्शन आया तो आपने दे दिया और जिनमें नहीं आया वह वनोपज संघ के संग्रहण केंद्रों में आ जाते हैं । उन संग्रहण केंद्रों में जो नुकसान होता है उस नुकसान की भरपाई कहां से होती है ? यदि एक रूपये में व्यवस्था की जा रही है तो उस नुकसान की भरपाई कहां से होती है ? मैंने अपने मूल प्रश्न में पूछा था कि वनोपज संघ प्रॉफिट में है कि लॉस में है ?

श्री मोहम्मद अकबर :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, तेंदूपत्ता संग्रहण वर्ष 2008 से लेकर अब तक शुद्ध लाभ वाली समितियों में 80 प्रतिशत प्रोत्साहन राशि दी जाती है और लाभ का जो 15 प्रतिशत है वह नुकसान वाली समितियों को दिया जाता है ।

श्री सौरभ सिंह :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी घुमाकर प्रश्न का जवाब दे रहे हैं । वह नक्सलवाद वाला और नक्सलवाद की कहानी का प्रश्न अनुत्तरित था ।

खाद्य मंत्री (श्री अमरजीत भगत) :- आपको समझ में नहीं आ रहा है ।

श्री सौरभ सिंह :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, समझ में सब आ रहा है और वह मंत्री जी की समझ में भी सब आ रहा है । मैं उस बात को और आगे बोलना नहीं चाह रहा हूं । माननीय उपाध्यक्ष महोदय, गवर्नर एड्रेस में एक बात आयी है कि 13 लाख संग्राहकों को प्रतिवर्ष 250 करोड़ रूपये अतिरिक्त आय हो रही है तो आपने 4 साल की खरीदी की । चूंकि खरीदी भी कम हुई, उसको मैं नहीं बोल रहा हूं उसके हिसाब से एक हजार करोड़ होना चाहिए, प्रतिवर्ष होनी चाहिए तो आपने जो प्रतिवर्ष

37 प्रतिशत बढ़ाया, 2500 से 4000 किया तो 37 प्रतिशत बढ़ा तो यह प्रतिवर्ष 200 करोड़ होगा कि 250 करोड़ होगा?

श्री मोहम्मद अकबर :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपको पूरे सिस्टम की जानकारी दे देता हूं । तेंदूपत्ता खरीदी में संग्रहण के बाद विक्रय और इन दोनों के अंतर का जो लाभ होता है उसके बारे में जो वितरण की व्यवस्था है, मैं उसके बारे में जानकारी दे देता हूं । शुद्ध लाभ वाली समितियों में 80 प्रतिशत प्रोत्साहन पारिश्रमिक के रूप में देना है, लाभ का 15 प्रतिशत संग्राहक समितियों को अराष्ट्रीय वनोपज के क्रय-विक्रय भंडारण, प्रसंस्करण, लाखपालन, उत्पादन, प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन तथा लाखपालन हेतु उपयोग और उसके बाद क्षेत्रीय एवं केंद्रीय स्तर पर प्रसंस्करण केंद्रों की स्थापना, संचालन, भंडारण, अनुसंधान विस्तार, विपणन तथा इन परियोजनाओं हेतु अधिसंरचनाओं का निर्माण, मानव संसाधन के नियोजन हेतु तेंदूपत्ता व्यापार से प्राप्त शुद्ध आय में से 15 प्रतिशत राशि का उपयोग किया जाये। छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ द्वारा स्वयं अथवा जिला यूनियन के माध्यम से यह कार्य संपादित किया जाये और लाभ की 5 प्रतिशत समितियों के घाटे की अस्थायी प्रतिपूर्ति हेतु प्रक्रमण निधि के रूप में सहमुख्यालय में सुरक्षित रहती है।

श्री सौरभ सिंह :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय ।

उपाध्यक्ष महोदय :- आपको पर्याप्त समय हो गया ।

श्री सौरभ सिंह :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मेरा अंतिम प्रश्न है । क्या एक समिति का लाभ दूसरी समिति को दिया जा सकता है ?

श्री मोहम्मद अकबर :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, यह व्यवस्था है जो घाटे की समिति है । लाभ वाली समिति को तो पारिश्रमिक प्रोत्साहन दे दिया जाता है लेकिन जो 5 प्रतिशत राशि है वह घाटे की समितियों को दिया जाता है यह व्यवस्था चली आ रही है ।

उपाध्यक्ष महोदय :- श्री रजनीश कुमार सिंह जी । समय बिल्कुल कम है, आप डॉयरेक्ट प्रश्न कीजिए ।

<u>बिलासपुर संभाग में जल जीवन मिशन के अंतर्गत कार्य एवं भुगतान</u>

[लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी]

5. (*क्र. 109) श्री रजनीश कुमार सिंह : क्या लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि :- (क) बिलासपुर संभाग में जल जीवन मिशन के अंतर्गत किन-किन फर्मो को किस-किस दर पर क्या-क्या कार्य दिये गए हैं तथा उक्त कार्य कब तक पूर्ण करने थे तथा वर्तमान स्थिति क्या है तथा इस हेतु कितना भुगतान किया गया व कितना भुगतान शेष है? फर्मवार व कार्यवार जानकारी देवें। (ख) क्या इस वित्तीय वर्ष में विभाग द्वारा जल जीवन मिशन के कार्यो के लिए अधिकारियों के

जांच/मूल्यांकन दल का गठन किया गया है? यदि हां तो किन-किन अधिकारियों को शामिल कर कब आदेश जारी किया गया है तथा इनके द्वारा कब प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है व क्या-क्या कमियां पाई गई हैं? (ग) इस वित्तीय वर्ष में जल जीवन मिशन के कार्यो को लेकर की गई शिकायतों पर क्या कार्यवाही की गई?

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री (श्री गुरु रुद्र कुमार) : (क) बिलासपुर संभाग में जल जीवन मिशन अंतर्गत फर्मों को दिये गये कार्यादेश, स्वीकृत निविदा दर, कार्य पूर्ण करने की अवधि, किया गया भुगतान, भुगतान शेष तथा कार्य की वर्तमान स्थिति फर्मवार व कार्यवार जानकारी पुस्तिकालय में रखे प्रपत्र अनुसार है। (ख) जी हां। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता, कार्यपालन अभियंता एवं सहायक अभियंता को शामिल कर दिनांक 27/01/2023 को आदेश जारी किया गया है। माह जनवरी 2023 एवं माह फरवरी 2023 में प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है। प्रतिवेदन में मुख्यतः कुछ स्थानों पर पाईप लाईन बिछाने में गहराई में कमी एवं कुछ स्थानों पर सामग्री की गुणवत्ता व कुछ स्थानों पर निर्माण कार्य में मानक मापदण्ड में कमियां पाई गई। (ग) इस वित्तीय वर्ष में जल जीवन मिशन के कार्यो को लेकर बिलासपुर जिले में निविदाओं में अनियमितताओं को लेकर शिकायत प्राप्तम हुई थी। जिसमें प्राथमिक परीक्षण उपरांत तत्कासलीन कार्यपालन अभियंता बिलासपुर को निलंबित कर आगे की कार्यवाही की जा रही है। जांजगीर-चांपा जिले में शिकायतों की जांच के उपरांत प्राप्त कमियों का निराकरण किया गया है ।

श्री रजनीश कुमार सिंह :- जी । माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं डॉयरेक्ट प्रश्न कर रहा हूं । आपको बहुत-बहुत बधाई ।

उपाध्यक्ष महोदय :- धन्यवाद ।

श्री रजनीश कुमार सिंह :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैंने जल जीवन मिशन के अंतर्गत बिलासपुर संभाग की जानकारी माननीय मंत्री जी से चाही थी । मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि चूंकि उन्होंने स्वीकार किया है, मैं केवल बिलासपुर जिले का ही ले लेता हूं । बिलासपुर जिले में लगभग 303 काम चल रहे हैं उसमें वर्ष 2021 से लेकर 93 काम अपूर्ण हैं जिनकी कार्य अवधि समाप्त हो चुकी है किसी की एक साल, किसी की छः महीने ऊपर हो चुकी है । किन-किन स्थानों पर गहराई में कमी पायी गयी ? ठेकेदार कौन था ? पाईप की कमी गयी । माननीय मंत्री जी, मैं आपसे यह जानकारी चाह रहा हूं कि चूंकि भुगतान किया गया है तो क्या उससे अधिक का भुगतान किया गया है और अधिकारी कौन है ?

उपाध्यक्ष महोदय :- प्रश्नकाल समाप्त।

श्री रजनीश कुमार सिंह :- अभी 10 मिनट है।

श्री अरूण वोरा :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, अभी 15 मिनट की समय-सीमा है।

उपाध्यक्ष महोदय :- चलिए, मंत्री जी। मैंने 10 मिनट पहले करवा दिया। अभी टाइम है। चलिए, अभी 10 मिनट बाकी है। (हंसी)

श्री धरमलाल कौशिक :- आपने जल्दबाजी में ही बोल दिया। आप तो 5 मिनट बाद में भी तो चला सकते हैं। आपके पास इतना पावर है। (हंसी)

श्री शिवरतन शर्मा :- हड़बड़ाइए मत। (हंसी)

उपाध्यक्ष महोदय :- आप दीजिए।

श्री रजनीश कुमार सिंह :- फिर से प्रश्न पूछूं।

उपाध्यक्ष महोदय :- पूछ लीजिए। आप एक प्रश्न पूछ लीजिए।

श्री रजनीश कुमार सिंह :- उपाध्यक्ष महोदय, मैंने माननीय मंत्री जी से सिर्फ बिलासपुर जिले का प्रश्न किया था, संभाग का अभी बात तो नहीं करूंगा, प्रदेश का नहीं करूंगा, बिलासपुर जिले में 303 काम आपने दिखाये हैं और उसमें से वर्ष 2021 से जो शुरू हुआ है लगभग 93 काम अपूर्ण हैं। आपने स्वीकार किया है कि जांच करवायी गयी है और जांच में कमी पायी गयी है। तो किन-किन स्थानों में गहराई में कमी पायी गयी है? पाइप की जो क्वालिटी है, उसमें कमी पायी गयी है। इसके ठेकेदार कौन हैं और इनको भुगतान करने वाले अधिकारी कौन हैं?

उपाध्यक्ष महोदय :- मंत्री जी, बताइए।

श्री गुरू रूद्र कुमार :- सम्माननीय उपाध्यक्ष जी, विभिन्न स्थानों पर जांच की गई और उस जांच के आधार पर जहां-जहां गलती और कमियां पायी गयीं, हमने तत्कालीन ई.ई. को सस्पेंड करते हुए कार्यवाही भी की।

श्री रजनीश कुमार सिंह :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं जो प्रश्न पूछ रहा हूं, उसका जवाब नहीं आया। यदि आप तत्कालीन ई.ई. की बात करते हैं, मैंने तो आपसे प्वाइंटेड प्रश्न पूछा है और उन्हें आये हुए बहुत ज्यादा दिन नहीं हुआ था। वे वर्ष 2021 में पदस्थ नहीं थे। मैं इसमें बहुत प्वाइंटेड प्रश्न कर रहा हूं।

उपाध्यक्ष महोदय :- मंत्री जी, बताइए।

श्री गुरू रूद्र कुमार :- उपाध्यक्ष जी, कार्यवाही होने के बाद फिर बचा क्या है?

श्री रजनीश कुमार सिंह :- उपाध्यक्ष महोदय, इसमें माननीय मंत्री जी का कोई जवाब ही नहीं आ रहा है। (व्यवधान)

श्री गुरू रूद्र कुमार :- अगर आपकी और कोई शिकायत है तो आप उसे बता दीजिए, मैं उसे अवश्य दिखवा लूंगा।

श्री कृष्णमूर्ति बांधी :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय..।

उपाध्यक्ष महोदय :- मूल प्रश्न का उत्तर आने दीजिए।

श्री रजनीश कुमार सिंह :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैंने यह प्रश्न पूछा है कि किन-किन स्थानों पर गहराई में कमी पायी गयी? पाइप की क्वालिटी में कमी पायी गयी? मैं बिलासपुर जिले का ही पूछ रहा हूं। पूरे संभाग की तो बहुत बड़ी सूची है और 92 काम अभी अधूरे हैं। उसमें भुगतान हो चुका है। तो ऐसी चीजों की मैं जानकारी चाह रहा हूं। यह प्वाइंटेड प्रश्न है।

उपाध्यक्ष महोदय :- मंत्री जी, इनका प्वाइंटेड प्रश्न है।

श्री गुरू रूद्र कुमार :- उनको भी पूछने दीजिए।

श्री अजय चन्द्राकर :- इनका उत्तर आ जाये न पहले फिर मैं पूछूंगा।

उपाध्यक्ष महोदय :- इनका उत्तर आने दीजिए न।

श्री धरमलाल कौशिक :- मंत्री जी का उत्तर आ जाये, उसके बाद मैं पूछ लेता हूं।

श्री गुरू रूद्र कुमार :- उपाध्यक्ष जी, मैं फिर वही कहूंगा कि कार्यवाही हो गई है।

उपाध्यक्ष महोदय :- चलिए, धन्यवाद। कौशिक साहब। (व्यवधान)

श्री अजय चन्द्राकर :- उपाध्यक्ष महोदय, यह उत्तर नहीं है। किस पर हुआ? (व्यवधान)

श्री रजनीश कुमार सिंह :- उपाध्यक्ष महोदय..। (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :- उन्होंने तो उत्तर बता दिया न। कार्यवाही हो चुका है बोलें। (व्यवधान)

श्री कृष्णमूर्ति बांधी :- वर्ष 2022 में कौन अधिकारी था? (व्यवधान)

श्री अजय चन्द्राकर :- कार्यवाही हुआ तो कौन अधिकारी था? (व्यवधान)

श्री रजनीश कुमार सिंह :- वर्ष 2021 से था क्या वह, जिस पर आपने कार्यवाही की है। (व्यवधान)

श्री अजय चन्द्राकर :- प्रश्न का पहले उत्तर आ आये। नहीं, यह उत्तर नहीं है। जो उन्होंने पूछा है, वह प्वाइंटेड प्रश्न है। (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :- उत्तर आ रहा है। आपके प्रश्न का उत्तर आ रहा है।

श्री शिवरतन शर्मा :- उपाध्यक्ष जी, माननीय मंत्री जी ने कहा कि हमने निलंबित कर दिया है।

उपाध्यक्ष महोदय :- जी-जी।

श्री शिवरतन शर्मा :- निलंबन ही पर्याप्त कार्यवाही नहीं होती। मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि गहराई कम पायी गयी, गुणवत्ता में कमी पायी गयी तो निलंबन के साथ-साथ उसके खिलाफ एफ.आई.आर. करेंगे क्या? (व्यवधान)

श्री अजय चन्द्राकर :- भुगतान भी कर दिया गया। कौन अधिकारी है? (व्यवधान)

श्री शिवरतन शर्मा :- संबंधित अधिकारी के खिलाफ एफ.आई.आर. करेंगे क्या?

श्री अजय चन्द्राकर :- जांच हो गई। कार्यवाही हो गई। कौन अधिकारी है? (व्यवधान)

श्री रजनीश कुमार शर्मा :- उपाध्यक्ष महोदय, एक अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही की गई है, जिसे आये हुए 6 महीना हुआ था। वर्ष 2021 से चल रहा है।

उपाध्यक्ष महोदय :- बताइए, मंत्री जी। (व्यवधान)

श्री शिवरतन शर्मा :- संबंधित अधिकारी पर एफ.आई.आर. करायेंगे क्या? (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :- प्रश्न का उत्तर आने दीजिए। (व्यवधान)

श्री रजनीश कुमार सिंह :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, एक अधिकारी के विरूद्ध आपने कार्यवाही की है, 6 महीना आये हुआ था। (व्यवधान)

श्री कृष्णमूर्ति बांधी :- उपाध्यक्ष महोदय, एक प्रश्न मैं भी पूछना चाह रहा हूं।

श्री रजनीश कुमार सिंह :- उसे 6 महीना आये हुआ था।

श्री कृष्णमूर्ति बांधी :- मंत्री जी, पहले उत्तर दे दीजिए।

उपाध्यक्ष महोदय :- उत्तर आने दीजिए न।

श्री अजय चन्द्राकर :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, यह हो क्या रहा है? (व्यवधान)

श्री शिवरतन शर्मा :- भाई, अब तो स्वीकार करना है कि गलती हुई है। आप एफ.आई.आर. करायेंगे क्या? (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :- आप यह बताइए कि उसमें कार्यवाही हुई है। उनकी मांग है कि आप उन पर एफ.आई.आर. करायेंगे क्या? आप यह बता दीजिए।

श्री गुरू रूद्र कुमार :- मैं वही तो बता रहा हूं कि जब मैंने अधिकारी को सस्पेंड कर दिया है। आगे भी विस्तार से जांच चल रही है क्योंकि वहां पर..।

उपाध्यक्ष महोदय :- जांच प्रमाणित होने दीजिए। (व्यवधान)

श्री अजय चन्द्राकर :- सस्पेंसन तो हो गई है। आप एफ.आई.आर. करायेंगे क्या? (व्यवधान)

श्री रजनीश कुमार सिंह :- वर्ष 2021 से हो रहा है। (व्यवधान)

श्री कृष्णमूर्ति बांधी :- वर्ष 2021 में कौन अधिकारी था? (व्यवधान)

श्रम मंत्री (डॉ. शिवकुमार डहरिया) :- माननीय उपाध्यक्ष जी, मंत्री जी उत्तर दे रहे हैं। अब इनके हिसाब से उत्तर देंगे क्या? (व्यवधान)

श्री देवेन्द्र यादव :- माननीय उपाध्यक्ष जी, हमारे सम्मानित मंत्री जी ने उस पर कार्रवाई कर दी है। (व्यवधान) आप इस तरीके से दवाब बनाकर कार्रवाई नहीं करा सकते।

उपाध्यक्ष महोदय :- तुरंत एफ.आई.आर. नहीं हो सकती है। विवेचना की बात है। (व्यवधान) मंत्री जी, बता दीजिए। (व्यवधान)

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- इनके हिसाब से जवाब देंगे क्या ?

डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी :- वर्ष 2021 में कौन अधिकारी थे ?

श्री रजनीश कुमार सिंह :- वर्ष 2021 में कौन अधिकारी थे ? क्या वही अधिकारी जवाबदार हैं, जिस अधिकारी के उपर आपने कार्रवाई की है। (व्यवधान)

श्री देवेन्द्र यादव :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, दबाव नहीं बनाया जा सकता।

उपाध्यक्ष महोदय :- नेता जी। (व्यवधान)

श्री नारायण चंदेल :- माननीय उपाध्यक्ष जी, जल जीवन मिशन का विषय बहुत गंभीर विषय है । माननीय सदस्य ने बहुत प्वाईंटेड प्रश्न किया और मंत्री जी जिस प्रकार से घूमाकर उत्तर दे रहे हैं।

श्री अमरजीत भगत :- स्पष्ट उत्तर आया है।

श्री नारायण चंदेल :- मैं आपको बताता हूं, यह प्रश्न बिलासपुर संभाग का है, मेरे जिले के प्रश्न के उत्तर में बताया गया है कि 1148 काम स्वीकृत हुए हैं, यह आज के प्रश्नोत्तरी में है। उसे कितने काम पूरे हुए हैं ? 271 काम पूरे हुए हैं और 871 काम जो है, वह चालू है।

श्री गुरू रूद्र कुमार :- आप (व्यवधान) इस प्रश्न की बात को बोलिए न। (व्यवधान) आपका जांजगीर जिला है, यह बिलासपुर जिले का प्रश्न है। (व्यवधान)

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- यह बिलासपुर जिले का प्रश्न है, आपका तो जांजगीर जिला है। (व्यवधान)

श्री सौरभ सिंह :- बिलासपुर संभाग का प्रश्न है। (व्यवधान)

श्री रजनीश कुमार सिंह :- यह प्रश्न बिलासपुर संभाग का है। (व्यवधान)

श्री नारायण चंदेल :- उस अधिकारी के खिलाफ एफ.आई.आर होनी चाहिए।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- उपाध्यक्ष महोदय, अब इनके हिसाब से जवाब देंगे क्या?

श्री देवेन्द्र यादव :- हमारे माननीय मंत्री जी जो कार्यप्रणाली है, उसका उचित पालन कर रहे हैं, बाहर से कोई फैसला नहीं कराया जा सकता। (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :- आपने एक प्रश्न कर लिया है। (व्यवधान)

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय उपाध्यक्ष जी, मैंने बहुत प्वाईंटेड प्रश्न किया है। आप स्वयं स्वीकार कर रहे हैं कि (व्यवधान) में कमी पाई गयी, गहराई में कमी पाई गयी तो आप निलंबन के साथ-साथ एफ.आई.आर करायेंगे क्या ?

उपाध्यक्ष महोदय :- प्रश्न पूछने दीजिए। (व्यवधान)

श्री गुरू रूद्र कुमार :- मैंने उसमें प्वाईंटेड जवाब तो दिया है। आप उत्तर को पढ़िए न। आप लोगों को सिर्फ हल्ला करना है।

श्री धरमलाल कौशिक :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, एक मिनट। जल जीवन मिशन केन्द्र की महत्वपूर्ण योजना है। छत्तीसगढ़ में यह चारागाह बन गया है, भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया है। (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :- आप प्रश्न कीजिए। आप लोग बैठ जाईये। आप लोग बैठ जाईये। मंत्री जी उत्तर दे रहे हैं। (व्यवधान)

श्री गुरू रूद्र कुमार :- सुनिए-सुनिए, आप लोग उत्तर सुनिए। (व्यवधान) कौशिक जी उत्तर सुनिए।

उपाध्यक्ष महोदय :- आप लोग बैठ जाईए।

श्री धरमलाल कौशिक :- केन्द्र से राशि आ रही है। (व्यवधान)

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- केन्द्र से कुछ नहीं मिल रहा है।

श्री अमरजीत भगत :- उत्तर स्पष्ट आ रहा है। (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :- प्रश्न करने दीजिए।

श्री धरमलाल कौशिक :- मैं चाहता हूं कि इसकी जांच होनी चाहिए। एस.आई.टी. का गठन करके उसकी जांच होनी चाहिए। उसका दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :- प्वाईटेड प्रश्न कर रहे हैं। आप लोग थोड़ा शांत रहिए। (व्यवधान)

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- उपाध्यक्ष जी, इनके हिसाब से जांच करायेंगे क्या ?

श्री नारायण चंदेल :- जांच कमेटी बनाई जाए। (व्यवधान)

श्री धरमलाल कौशिक :- बिहार में ब्लैकलिस्ट किया गया है। उत्तरप्रदेश में ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है, ठेकेदारों को काम दे रहे हैं। कैसे काम दिया जा रहा है। मंत्री के संरक्षण में पूरे प्रदेश में भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया है। (व्यवधान)

श्री गुरू रूद्र कुमार :- उपाध्यक्ष जी, जब अधिकारी को सस्पेंड कर दिए हैं तो और क्या जांच करायेंगे ?

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- इनके हिसाब से जांच करेंगे क्या ?

उपाध्यक्ष महोदय :- आप लोग शांत रहिए, बैठिए। (व्यवधान) उत्तर आ रहा है।

श्री धरमलाल कौशिक :- पूरे प्रदेश में यही स्थिति है। एस.आई.टी. का गठन होना चाहिए। मंत्री जी अपने अधिकारियों को बचा रहे हैं।

श्रीमती संगीता सिन्हा :- आप यह गलत आरोप लगा रहे हैं। (व्यवधान)

श्री धरमलाल कौशिक :- माननीय उपाध्यक्ष जी, मंत्री जी उत्तर नहीं दे पा रहे हैं, उसके विरोध में हम सदन से बहिगर्मन करते हैं।

अप्रकाशित/प्रकाशन के लिये नहीं

समय :

12:00 बजे

<u>बहिगर्मन</u>

<u>शासन के उत्तर के विरोध में</u>

(माननीय सदस्य श्री धरमलाल कौशिक के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों द्वारा शासन के उत्तर के विरोध में सदन से बहिगर्मन किया गया।)

उपाध्यक्ष महोदय :- प्रश्नकाल समाप्त।

(प्रश्नकाल समाप्त)

अशोधित/प्रकाशन के लिये नहीं

समय :

12:00 बजे

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- आदत बना लिये हैं, आदत। सच्चाई को सहन नहीं कर रहे हैं। भागने की आदत बना लिये हैं।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- प्रश्नकाल खत्म।

श्री उमेश पटेल :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, जिस तरह से इन्होंने आरोप लगाया है तो मैं आपसे यह मांग करता हूं कि यदि इनके पास कोई प्रमाण है तो उसको यहां रखवाएं और यदि इनके पास कोई प्रमाण नहीं है तो इसको विलोपित करवायें।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- माननीय उपाध्यक्ष जी, यह विलोपित किया जाये। आप इसको विलोपित करने का आदेश दे दीजिए। मैं मंत्री जी का समर्थन करता हूं।

उपाध्यक्ष महोदय :- चलिये, करते हैं। घण्टी बजाइये।

श्री कवासी लखमा :- जो अनाप-शनाप आरोप लगाये हैं उसको विलोपित किया जाये। यह भ्रष्टाचार कैसे बोल रहे हैं ?

श्री अमरजीत भगत :- माननीय उपाध्यक्ष जी, यह तो ऐसे लोग हैं, जिनको बांस की माला में भी सोना दिखाई देता है। इनको हर जगह भ्रष्टाचार दिखता है। (मेजों की थपथपाहट) एमन ला हर चीज मा भ्रष्टाचार ही दिखथे। एमन ला माला में भी सोना दिखथे। (हंसी)

उपाध्यक्ष महोदय :- चलिये, पत्रों का पटल पर रखा जाना। माननीय श्री भूपेश बघेल जी।

श्री गुरू रूद्र कुमार :- जांच किये इसीलिए कार्रवाई किये।

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय उपाध्यक्ष जी, शून्यकाल ।

उपाध्यक्ष महोदय :- इसके बाद लेंगे। यह विषय थोड़ा हो जाए, उसके बाद शून्यकाल को लेंगे। मंत्री जी।

समय :

12:01 बजे

<u>पत्रों का पटल पर रखा जाना</u>

<u>(1) छत्तीसगढ़ लोक आयोग का बीसवां वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2021-2022</u>

मुख्यमंत्री (श्री भूपेश बघेल) :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं, छत्तीसगढ़ लोक आयोग अधिनियम, 2002 (क्रमांक 30 सन् 2002) की धारा 11 की उपधारा (6) की अपेक्षानुसार छत्तीसगढ़ लोक आयोग का बीसवां वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2021-2022 पटल पर रखता हूं।

(2) छत्तीसगढ़ भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) का वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2021-2022

आवास एवं पर्यावरण मंत्री (श्री मोहम्मद अकबर) :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं, भू-संपदा (विनियमन और विकास) अधिनियम, 2016 (क्रमांक 16 सन् 2016) की धारा 78 की उपधारा (2) की अपेक्षानुसार छत्तीसगढ़ भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) का वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2021-2022 पटल पर रखता हूं।

(3) छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग का वार्षिक प्रतिवेदन एवं लेखा सम्परीक्षा प्रतिवेदन वित्तीय वर्ष 2021-2022

उच्च शिक्षा मंत्री (श्री उमेश पटेल) :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं, छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (क्रमांक 13 सन् 2005) की धारा 42 के अधीन अधिसूचित छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) नियम, 2025 के नियम 22 एवं नियम 23 के उपनियम (घ) की अपेक्षानुसार छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग का वार्षिक प्रतिवेदन एवं लेखा सम्परीक्षा प्रतिवेदन वित्तीय वर्ष 2021-2022 पटल पर रखता हूं।

(4) कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर का वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2021-2022 (01 जुलाई, 2021 से 30 जून, 2022 तक)

उच्च शिक्षा मंत्री (श्री उमेश पटेल) :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं छत्तीसगढ़ कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय अधिनियम, 2004 (क्रमांक 24 सन् 2004) की धारा 31 की उपधारा (3) की अपेक्षानुसार कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय रायपुर, का वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2021-2022 (01 जुलाई, 2021 से 30 जून, 2022 तक) पटल पर रखता हूं।

(5) राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ 4-03/सात-1/2022, दिनांक 24 नवम्बर, 2022

राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री (श्री जयसिंह अग्रवाल) :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं, छत्तीसगढ़ आदिम जनजातियों का संरक्षण (वृक्षों में हित) अधिनियम, 1999 (क्रमांक 12 सन् 1999) की धारा 11 की उप धारा (2) की अपेक्षानुसार राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ 4-03/सात-1/2022, दिनांक 24 नवम्बर, 2022 पटल पर रखता हूं।

समय:

12:03 बजे **<u>दिसम्बर, 2022-जनवरी, 2023 सत्र का समयपूर्व सत्रावसान के कारण बैठक हेतु पूर्व निर्धारित तिथियों की मुद्रित प्रश्नोत्तरी का पटल पर रखा जाना</u>**

उपाध्यक्ष महोदय :- दिसम्बर, 2022-जनवरी, 2023 सत्र का दिनांक 04 जनवरी, 2023 को सत्रावसान हो जाने के कारण बैठक हेतु पूर्व निर्धारित तिथि दिनांक 05 एवं 06 जनवरी, 2023 की मुद्रित प्रश्नोत्तरी सचिव, विधान सभा सदन के पटल पर रखेंगे।

सचिव, विधान सभा (श्री दिनेश शर्मा) :- मैं, उपाध्यक्ष के स्थायी आदेश क्रमांक 13-क की अपेक्षानुसार दिसम्बर, 2022-जनवरी, 2023 सत्र का दिनांक 04 जनवरी, 2023 को सत्रावसान हो जाने के कारण बैठक हेतु पूर्व निर्धारित तिथि दिनांक 05 एवं 06 जनवरी, 2023 की मुद्रित प्रश्नोत्तरी सदन के पटल पर रखता हूं।

समय :

12:04 बजे **<u>दिसम्बर, 2022-जनवरी, 2023 सत्र के अपूर्ण उत्तरों के पूर्ण उत्तरों का संकलन सदन के पटल पर रखा जाना</u>**

उपाध्यक्ष महोदय :- दिसम्बर, 2022-जनवरी, 2023 सत्र के प्रश्नों के अपूर्ण उत्तरों के पूर्ण उत्तरों का संकलन सचिव, विधान सभा, सदन के पटल पर रखेंगे।

सचिव, विधान सभा (श्री दिनेश शर्मा) :- मैं उपाध्यक्ष के स्थायी आदेश क्रमांक 13-ख की अपेक्षानुसार दिसम्बर, 2022-जनवरी, 2023 सत्र के प्रश्नों के अपूर्ण उत्तरों के पूर्ण उत्तरों का संकलन सदन के पटल पर रखता हूं।

समय :

12:04 बजे **<u>नियम 267 "क" के अधीन सूचनाएं तथा उनके उत्तरों का संकलन</u>**

उपाध्यक्ष महोदय :- नियम 267 "क" के अधीन दिसम्बर, 2022-जनवरी, 2023 सत्र में सदन में पढ़ी गई सूचनाओं तथा उनके उत्तरों का संकलन सचिव, विधान सभा सदन के पटल पर रखेंगे।

सचिव, विधान सभा (श्री दिनेश शर्मा) :- मैं, नियम 267 "क" के अधीन दिसम्बर, 2022-जनवरी, 2023 सत्र में सदन में पढ़ी गई सूचनाओं तथा उनके उत्तरों का संकलन सदन के पटल पर रखता हूं।

समय :

12:05 बजे **माननीय राष्ट्रपति की अनुमति प्राप्त विधेयक की सूचना (मार्च, 2023 सत्र)**

उपाध्यक्ष महोदय :- पंचम विधान सभा के दिसम्बर, 2021 सत्र में पारित कुल 5 विधेयकों में से शेष बचे 1 विधेयक पर माननीय राष्ट्रपति की अनुमति प्राप्त हो गई है। अनुमति प्राप्त विधेयक का विवरण सचिव, विधान सभा सदन के पटल पर रखेंगे।

सचिव, विधान सभा (श्री दिनेश शर्मा) :- पंचम विधान सभा के दिसम्बर, 2021 सत्र में पारित कुल 5 विधेयकों में से शेष बचे 1 विधेयक पर माननीय राष्ट्रपति की अनुमति प्राप्त हो गई है, जिसका विवरण सदन के पटल पर रखता हूं ।

उपाध्यक्ष महोदय :- अनुमति प्राप्त विधेयक के नाम को दर्शाने वाला विवरण पत्रक भाग-दो के माध्यम से माननीय सदस्यों को पृथक से वितरित किया जा रहा है।

समय :

12.06 बजे **सभापति तालिका की घोषणा**

उपाध्यक्ष महोदय :- विधान सभा की नियमावली के नियम 9 के उप नियम (1) के अधीन मैं निम्नलिखित सदस्यों को सभापति तालिका के लिए नाम-निर्दिष्ट करता हूं :-

1. श्री सत्यनारायण शर्मा
2. श्री धनेन्द्र साहू
3. श्री देवेन्द्र बहादुर सिंह
4. श्री सौरभ सिंह
5. श्री लखेश्वर बघेल

पृच्छा

श्री शिवरतन शर्मा (भाटापारा) :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, पूरा बस्तर जल रहा है और बस्तर के आदिवासी लगातार प्रताड़ित हो रहे हैं, मारे जा रहे हैं । एक तरफ वे नक्सलियों के शिकार हो रहे हैं, दूसरी तरफ धर्मांतरण हो रहा है और धर्मांकरण के विरोध करने वालों की टारगेट किलिंग की जा रही है और नक्सलियों का नाम लिया जा रहा है । माननीय उपाध्यक्ष जी, नारायणपुर में घटना घटी, नारायणपुर में भारतीय जनता पार्टी के उपाध्यक्ष सागर साहू की हत्या हुई, बस्तर में भारतीय जनता पार्टी के जिले के मंत्री बुधराम की हत्या हुई, वे धर्मांतरण के खिलाफ काम कर रहे थे । दंतेवाड़ा जिले में रामाधार टेकाम की हत्या हुई । बीजापुर जिले में भारतीय जनता पार्टी के जिले के उपमण्डल के अध्यक्ष की हत्या हुई और इन सारी हत्याओं के पीछे नक्सली और मिशन के लोग जो धर्मांतरण में लगे हैं, दोनों

की सांठ-गांठ का परिणाम है और दुर्भाग्यजनक स्थिति यह है कि बस्तर में आदिवासी मारे जा रहे हैं, बस्तर में आदिवासी धर्मांतरित किये जा रहे हैं और लगातार शिकायत करने के बाद भी प्रदेश की पुलिस कुछ नहीं कर रही है, प्रदेश की सरकार कुछ नहीं कर रही है, बल्कि जो लोग धर्मांतरण कराने में लगे हुए हैं, उनको यह सरकार संरक्षण देने में लगी हुई है । आदिवासियों के खिलाफ लगातार मारपीट किया जा रहा है, आदिवासी थाने में जाकर रिपोर्ट लिखा रहे हैं तो थाने में उनकी रिपोर्ट नहीं लिखी जा रही है और उनके साथ जो मारपीट करते हैं, उनको पुलिस का संरक्षण मिल रहा है । हमने इस संबंध में स्थगन दिया है, हम आपसे आग्रह करते हैं कि हमारे स्थगन को स्वीकार करके उस पर चर्चा कराएं ।

उपाध्यक्ष महोदय :- ठीक है, आपकी बात आ गई ।

श्री अजय चन्द्राकर (कुरूद) :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, बस्तर की पूरी डेमोग्राफी सरकार के संरक्षण में बदल रही है । वह कई क्षेत्रों में अल्पसंख्यक बनते जा रहे हैं । माननीय सुप्रीम कोर्ट ने भी उसमें चिन्ता व्यक्त की है कि धर्मांतरण के लिए कठोर कानून बनाया जाये । जितने जांच दल गए, भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता गए, प्रदेश अध्यक्ष गए, विधायक गए, नेता प्रतिपक्ष गए, उनको घंटों थाने में बिठाया गया, लेकिन मिलने नहीं दिया गया । स्वतंत्र जांच दल बनाए गए, पर स्वतंत्र जांच दल को उनसे मिलने नहीं दिया गया । बस्तर में अघोषित आपातकाल है और बस्तर में पहली बार लगातार टारगेट किलिंग हो रही है । यह एक बड़ा गहरा राजनीतिक षड़यंत्र है । यह सरकार टारगेट किलिंग के आधार पर आगामी चुनाव लड़ना चाहती है कि यहां से विपक्ष को खत्म किया जाये और आदिवासियों के डेमोग्राफी, उनकी संस्कृति को खतम किया जाये और धर्मांतरित करके अपने लिए एक निरंकुश राजसत्ता कायम की जाये ।

उद्योग मंत्री (श्री कवासी लखमा) :- उपाध्यक्ष जी, पूरे देश में आपातकाल लगा हुआ है, उससे राहुल गांधी देश को बचा रहे हैं ।

श्री अजय चन्द्राकर :- आप तो इस्तीफा दो । (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :- उनको अपनी बात रखने दीजिए । (व्यवधान)

श्री कवासी लखमा :- शून्यकाल में सूचना दे सकते हैं, भाषण नहीं । (व्यवधान)

डॉ. (श्रीमती) लक्ष्मी ध्रुव :- कांग्रेस जो भी काम करती है, उसमें भारतीय जनता पार्टी को आपत्ति होती है । (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :- आप लोग बैठिए, शून्यकाल में उनकी बात आने दीजिए। (व्यवधान)

डॉ. (श्रीमती) लक्ष्मी ध्रुव :- भारतीय जनता पार्टी बोलती है-मुक्त भारत । ये लोग कांग्रेस मुक्त भारत का नारा लगाते हैं (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :- उनकी बात आने दीजिए, यह शून्यकाल है । (व्यवधान)

खाद्यमंत्री (श्री अमरजीत भगत) :- यह तो शून्यकाल है और आप शून्यकाल में सूचना दे सकते हैं, शून्यकाल में भाषण नहीं हो सकता है । चन्द्राकर जी भाषण दे रहे हैं । (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :- मंत्री जी, बैठिए । (व्यवधान) शून्यकाल है, वे 2-2 मिनट में अपनी बात रखेंगे । (व्यवधान)

श्री अजय चन्द्राकर :- भाषण देना है तो स्थगन स्वीकार करिए । उपाध्यक्ष जी ने मुझे बोलने की अनुमति दी है । (व्यवधान) आपमें दम है तो स्थगन को स्वीकार करने के लिए इस सदन को आग्रह कर दो । (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :- आप लोग बैठिए, चन्द्राकर जी, आप बात रखें । (व्यवधान)

श्री अजय चन्द्राकर :- इसमें मुझे अनुमति दी है । (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :- उसी के बारे में 2 मिनट सुन लेते हैं । (व्यवधान)

श्री शिवरतन शर्मा :- आप स्थगन स्वीकार करके चर्चा कराने का समय दो, हम पूरी चर्चा करेंगे । (व्यवधान)

श्री अमरजीत भगत :- आप शून्यकाल में भाषण नहीं दे सकते (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :- मंत्री जी, आप शांत रहिए । मंत्री जी, उनकी 2-2 मिनट बात आने दीजिए । (व्यवधान)

श्री कवासी लखमा :- आप बस्तर के बारे में जानते हो क्या ? आप बस्तर से आते हो क्या ?

उपाध्यक्ष महोदय :- मंत्री जी, उनकी 2 मिनट बात आने दीजिये।

खाद्य मंत्री (श्री अमरजीत भगत) :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, शून्यकाल में भाषण नहीं हो सकता है।

श्री सौरभ सिंह :- शून्यकाल में मंत्री जी भी नहीं बोल सकते। आपकी हिम्मत है तो ग्राह्य कराईये और चर्चा कराईये। शून्यकाल में मंत्री भी नहीं बोल सकते हैं। आप ग्राह्य कराईये और चर्चा कराईये। (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :- आप लोग शांत रहिये, थोड़ा शांत रहिये। (व्यवधान) सदन की कार्यवाही 10 मिनट के लिए स्थगित।

(12:12 से 12:28 बजे तक कार्यवाही स्थगित रही)

समय

12.28 बजे **(उपाध्यक्ष महोदय (श्री संतराम नेताम) पीठासीन हुये)**

श्री अजय चन्द्राकर :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आज पहला दिन है, आसन्दी की पहली नजर इधर पड़ती है ।

उपाध्यक्ष महोदय :- पड़ रहा है ।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- सभापति जी, सरकार ने तो आपकी चिंता नहीं की है, आपको बधाई भी नहीं दिलवाई है और विपक्ष की अनुपस्थिति में आपका चयन कर लिया । हम लोग आपको बधाई देते हैं ।

उपाध्यक्ष महोदय :- धन्यवाद ।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- ये लेट आया है माननीय उपाध्यक्ष जी, इसलिये इनको पता नहीं है । हम लोगों ने पहले ही बधाई दे दिया है भई ।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- माननीय उपाध्यक्ष जी, पूरे छत्तीसगढ़ में नक्सली गतिविधियां इतनी तेज हो गई है, उन गतिविधियों के कारण भारतीय जनता पार्टी के चार कार्यकर्ताओं की [XX][2] हो गई । पुलिस के तीन जवानों ...। (व्यवधान)

डॉ.शिवकुमार डहरिया :- 15 लाख की बात कर रहे थे...। (व्यवधान)

श्री राजमन वेंजाम :- आपके समय में प्रदेश की दुर्गति थी । ऐसा बिल्कुल नहीं है । (व्यवधान)

श्री बृहस्पत सिंह :- किस नक्सली की बात कर रहे हैं ? इन्हीं के समय में सारी नक्सली घटनायें हुई है ना । कहां सो रहे थे ?

श्री राजमन वेंजाम :- अपनी बात को बता रहे हैं उपाध्यक्ष महोदय ।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- उपाध्यक्ष महोदय, आपके भी 18 लोगों की [XX] हुई है । जरा आप लज्जा करो । (व्यवधान)

श्री राजमन वेंजाम :- उपाध्यक्ष महोदय, वह दिन भूल गये कि 15 साल आदिवासियों को ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :- दो-दो मिनट में अपनी बात को रखिये । आपको पूरा सुन रहे हैं ।

श्री कवासी लखमा :- तुम्हारा प्रदेश में क्या पूरा देश में....(व्यवधान)

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- उपाध्यक्ष महोदय, झीरम की घटना क्या थी ? वह टारगेट किलिंग तो थी। आप सामने वाले से पूछिए। (व्यवधान)

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- उपाध्यक्ष महोदय, यदि राजनीतिक कानून व्यवस्था .. (व्यवधान)। यदि पुलिस .. (व्यवधान)।

श्री राजमन वेंजाम :- उपाध्यक्ष महोदय, क्या पुलिस (व्यवधान) अधिकार आपने दिया था ? (व्यवधान)

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- उसको आप (व्यवधान) नहीं देंगे ? (व्यवधान)

---

[2] [XX] अध्यक्षीय पीठ के आदेशानुसार निकाला गया ।

श्री राजमन वेंजाम :- आदिवासियों का सिर काट कर लाओ .... (व्यवधान)।

श्री कुलदीप जुनेजा :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, शून्यकाल में भाषण न कराया जाए।

श्री अमितेश शुक्ल :- सम्मान देकर बात कीजिए।

श्री कवासी लखमा :- उपाध्यक्ष महोदय, इनसे पूछिए कौन .. (व्यवधान)।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- उपाध्यक्ष महोदय, इनके आई.जी. (व्यवधान) और धर्मांतरण के कारण टारगेट किलिंग हो रही है। यहां पर इनके एस.पी., इनके आई.जी. (व्यवधान)।

श्री कवासी लखमा :- यह हमको कोस रहे हैं। (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :- चलिये आपकी बात लगभग आ गई है।(व्यवधान)

श्री कुलदीप जुनेजा :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, शून्यकाल में भाषण को न सुना जाए। (व्यवधान)

श्री अमितेश शुक्ल :- सम्मान दीजिये। (व्यवधान)

श्री कुलदीप जुनेजा :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, शून्यकाल में भाषण को मत सुनिये। (व्यवधान)

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- उपाध्यक्ष महोदय, हम चाहते हैं कि जो स्थगन प्रस्ताव हमने दिया है, आप उस पर चर्चा करवायें (व्यवधान)। हम पूरे तथ्य रखना चाहते हैं। (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :- ठीक है, आपकी बात लगभग-लगभग आ गई है।

श्री कवासी लखमा :- उपाध्यक्ष महोदय, बस्तर में इनको पूछने वाला कोई नहीं है (व्यवधान)। यह बस्तर की बात कर रहे हैं। (व्यवधान) बस्तर में 15 साल .. (व्यवधान)।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- माननीय उपाध्यक्ष जी, यदि किसी राजनीतिक दल के कार्यकर्त्ताओं की टारगेट किलिंग हो और गृहमंत्री जी का कोई वक्तव्य न आये। यदि वह असली (व्यवधान) है।

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- प्रुफ के साथ बात करिये।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- यदि हमारे पुलिस के जवान मारे जाये। (व्यवधान) मारे जाये और उसके बाद भी कोई जवाब न आये। (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :- अग्रवाल जी, आपकी बात आ गई है। (व्यवधान)

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- प्रुफ सहित बात करिये। (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :- आपकी बात आ गई है।

श्री कवासी लखमा :- बृजमोहन जी, 700 .. मारे गये। क्या आप कभी गये?

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- उपाध्यक्ष महोदय, पुलिस के जवान भी हमारे छत्तीसगढ़ के नागरिक हैं। बी.जे.पी. के कार्यकर्ता भी छत्तीसगढ़ के नागरिक हैं। राजनांदगांव के (व्यवधान)।

डॉ. रश्मि आशीष सिंह :- हम बराबर सम्मान दे रहे हैं। (व्यवधान) हम सभी को बराबर सम्मान दे रहे हैं।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- वह उनको बताईये। (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :- बृजमोहन जी, आपकी लगभग-लगभग सारी बातें आ गई। सौरभ सिंह जी, आप बोलिये, आपका ही सुन रहे हैं। (व्यवधान)

श्री कुलदीप जुनेजा :- उपाध्यक्ष महोदय, हमने देश के लिये हमारे बड़े-बड़े नेता खोये हैं।

श्री मोहन मरकाम :- भारतीय जनता पार्टी के शासन काल में कांग्रेस के (व्यवधान) टारगेट किलिंग हुई है। (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :- सौरभ सिंह जी की बात आने दीजिये। उनकी बात आने दीजिये।

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- भारतीय जनता पार्टी के कार्यकाल में आदिवासियों का ... (व्यवधान)।

उपाध्यक्ष महोदय :- सौरभ सिंह जी, दो-दो मिनट में बात रखिये। (व्यवधान)

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, यह सद्भाव है क्या ? आज हमारे (व्यवधान) तो इनके कार्यों को माने जायेंगे। हमारे विधान (व्यवधान)। उसके बाद इस पर चर्चा नहीं होगी। इससे ज्यादा शर्मनाक बात और क्या होगी। हमारे भीमा मण्डावी मारे गये। (व्यवधान)

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- उनको पुलिस बल ने रोका था लेकिन वह नहीं रूके थे। (व्यवधान)

श्री राजमन वेंजाम :- पूर्व विधायक ... मारे गये। (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :- सौरभ सिंह जी।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- कवासी लखमा जी, आप भी टारगेट में आ गये हो। इस पर चर्चा होनी चाहिए। (व्यवधान)

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- यह आपकी पार्टी के कार्यकाल में सबसे ज्यादा हुआ है। यह भारतीय जनता पार्टी (व्यवधान) नहीं करती। (व्यवधान)

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- भारतीय जनता पार्टी के मन में ..। (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :- आप लोग बैठिये।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- मोहन मरकाम जी, कल शायद आप भी नहीं रहेंगे। (व्यवधान)

श्री बृहस्पत सिंह :- उपाध्यक्ष महोदय, यह धमकी दे रहे हैं। (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :- आपकी बात आ गई है। सौरभ सिंह जी, आप बोलिए न। (व्यवधान)

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- आपके कार्यकाल में यह सब हुआ है। इसीलिए आप ऐसा बोल रहे हैं। (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :- बृजमोहन जी, आपकी बात लगभग आ गई है। सौरभ सिंह जी, बोलिए।

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- आपने 15 साल तक आदिवासियों के ऊपर अत्याचार किया। (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :- आप लोग थोड़ा-सा शांत रहिए (व्यवधान)। थोड़ा-सा शांत रहिए।

श्री मोहन मरकाम :- उपाध्यक्ष महोदय, भारतीय जनता पार्टी के शासन काल में हमारे नेताओं का टारगेट किलिंग किया गया। भारतीय जनता पार्टी ने चुन-चुन कर हमारे नेताओं को मारा। (व्यवधान)

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- चुन-चुन कर मारा गया।

उपाध्यक्ष महोदय :- आप लोग थोड़ा शांत रहिए। मैडम बैठिये-बैठिये।

श्री राजमन वेंजाम :- भारतीय जनता पार्टी के शासन काल में हमारे नेताओं को चुन-चुन कर मारा गया है।

श्री सौरभ सिंह :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, पूरा बस्तर ..। (व्यवधान)

श्रीमती देवती कर्मा :- उपाध्यक्ष जी, इन्हें उस समय याद नहीं आई। आपका बुरकापाल, (व्यवधान)। क्या वह भूल गये ? वह भूल गये (व्यवधान)। तब कांग्रेस की सरकार ने ...। 15 साल में आप लोगों की सरकार ने क्या किया? (मेजों की थपथपाहट)

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है। हमने स्थगन प्रस्ताव दिया है। हम आपसे उसकी ग्राह्यता के बारे में आग्रह कर रहे हैं। यह सत्ता पक्ष के मंत्री और विधायक खड़े होकर उसमें डिस्टर्ब करें। क्या उनको यह अधिकार है ? क्या उनको अधिकार है ?

उपाध्यक्ष महोदय :- आप लोग शांत बैठिये।

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- आपने हमारे नेताओं को चुन-चुन कर मार डाला। (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :- हमारे सभी सदस्यों से आग्रह है कि आप लोग कार्यवाही चलने में सहयोग करिये। आप सब सहयोग करिये। आप अपनी बात को रखिये। आप लोग थोड़ा शांत रहिये। स्थगन आया है, उसका (व्यवधान) भी आप रखिये न। (व्यवधान)

श्रीमती रंजना डीपेन्द्र साहू :- माननीय सभापति महोदय जी ..। (व्यवधान)

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- उपाध्यक्ष महोदय, देवती कर्मा जी की बात सुनी जाये। (व्यवधान)

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, माननीय बृजमोहन जी ने व्यवस्था का प्रश्न किया है, उस पर कहें (व्यवधान)

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, माननीया देवती कर्मा जी की बात समझ में आई ?

उपाध्यक्ष महोदय :- अभी माननीय सौरभ सिंह जी, आप बोलिए।

श्रीमती देवती कर्मा :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, इनकी भारतीय जनता पार्टी के शासनकाल में बस्तर कितना अशांत था, उस घटना को क्यों भूल जाते हैं ? हम इनसे पूछना चाहते हैं कि इनकी भारतीय जनता पार्टी की सरकार में क्या नहीं हुआ ?..(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :- आप लोग बैठिए। यहां स्थगन प्रस्ताव आया है। आप लोग थोड़ा शांत बैठिए। मैं, हमारे सभी सदस्यों से आग्रह करूंगा कि आप सभी लोग सहयोग करेंगे। स्थगन प्रस्ताव आया

है। आप लोग भी बैठिए। माननीय सौरभ सिंह जी, आप बोलिए। मैडम आप बैठिए, डॉक्टर साहब आप बैठिए।

श्री सौरभ सिंह :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, पूरा बस्तर जल रहा है। (व्यवधान)

श्री मोहन मरकाम :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, भारतीय जनता पार्टी के शासनकाल में टारगेट किलिंग हुई है। यह किस मुंह से कहते हैं ? इनकी सरकार में चुन-चुन के नेताओं को मारा गया।

उपाध्यक्ष महोदय :- आप दोनों दल के सदस्य सहयोग करें। माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि आप कार्यवाही चलाने के लिए सहयोग करें। (व्यवधान)

श्री मोहन मरकाम :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, इनके शासनकाल में शहीद नंदकुमार पटेल जी, शहीद उदय मुदलियार जी, शहीद महेन्द्र कर्मा जी को पूछ-पूछ कर मारा था। यह कार्य करने की बात कहते हैं। (व्यवधान)

श्रीमती देवती कर्मा :- हमारे नेताओं को चुन-चुन कर मारा गया था, उस समय कहां थे ? (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :- आप लोग बैठिए। स्थगन प्रस्ताव आया है। आप लोग थोड़ा सहयोग करिये। (व्यवधान)

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, (व्यवधान) कोई सरकार नहीं हो सकती, जो अपने नेताओं के हत्यारों को नहीं पकड़ पायें। यह लोग क्या बात करेंगे। (व्यवधान)

श्री मोहन मरकाम :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, भारतीय जनता पार्टी की सरकार हत्यारी है। (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :- आप लोग बैठिए। (व्यवधान) सदन की कार्यवाही 5 मिनट के लिए स्थगित ।

(12.37 से 12.47 बजे तक कार्यवाही स्थगित रही)

समय :

12.47 बजे **(उपाध्यक्ष महोदय (श्री संतराम नेताम) पीठासीन हुए)**

श्री शिवरतन शर्मा (भाटापारा) :- माननीय उपाध्यक्ष जी, पूरे बस्तर में टारगेट करके बी.जे.पी. के कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित किया जा रहा है।

श्री शैलेश पांडे :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, यह लोग आपको कब से बहुत परेशान कर रहे हैं, यह गलत बात है। आप जब से आसंदी पर बैठे हैं, तब से व्यवधान शुरू हो गया। आपको बोलने नहीं दे रहे हैं

श्री अजय चन्द्राकर :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आपने हमको अनुमति दी है। स्थगन हमारा है। ग्राह्यता की चर्चा पर आप निर्णय लेंगे।

श्री शैलेश पांडे :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, गलत बात है। आपके आदेश का पालन होना चाहिए। आपने जो बात बोली है। .. (व्यवधान)

श्री अजय चन्द्राकर :- बिना नोटिस के शून्यकाल में बोल रहे हैं, इस पर जो व्यवस्था आई है। (व्यवधान)

नगरीय प्रशासन मंत्री (डॉ. शिवकुमार डहरिया) :- आप लोग सही-सही बोलिये न। यहां बिना नोटिस के थोड़ी बोलने देंगे। (व्यवधान)

श्री शैलेश पांडे :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, यह आसंदी का लगातार अपमान किया जा रहा है। यह गलत बात है।

उपाध्यक्ष महोदय :- आप लोग बैठिये। माननीय मंत्री जी, आप बैठिये।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- माननीय उपाध्यक्ष जी, यह सही-सही तो बोलें। (व्यवधान)

श्री शैलेश पांडे :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, यह लोग आसंदी का अपमान कर रहे हैं, यह गलत बात है। आसंदी की बात नहीं सुनी जा रही है।

उपाध्यक्ष महोदय :- आप अपनी बात रखिये न। मेरा यह कहना है कि आप दोनों सहयोग करेंगे तब तो सभा की कार्यवाही चलेगी। यदि आप दोनों लोग सहयोग नहीं करेंगे तो फिर मैं आगे बढ़ जाऊंगा।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, हम लोग पूरा सहयोग करने के लिए तैयार हैं, लेकिन यह लोग सही तो बोलें।

श्री सौरभ सिंह :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, बस्तर धर्मांतरण और मतांतरण की प्रयोगशाला बन गया है।

श्री देवेन्द्र यादव :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, वह सरकार के ऊपर आरोप लगा रहे हैं। (व्यवधान)

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, यह क्या हो रहा है ? हम आपका सम्मान करते हैं। ये मंत्रियों को सदन से बाहर निकालिये। ये मंत्रियों को प्रताड़ित करिये।

श्री शैलेश पांडे :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आपकी बात नहीं सुनी जा रही है, आपका अपमान किया जा रहा है। असत्य आरोप लगाया जा रहा है, असत्य बातें की जा रही हैं।

उपाध्यक्ष महोदय :- आप लोग बार-बार खड़े मत होईये।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, यह सवा चार साल में हम लोग कई स्थगन लाये हैं और यह विपक्ष का अधिकार है, स्थगन में चर्चा होती है। यहां पर पुलिस वाले, बी.जे.पी. के

कार्यकर्ता, कांग्रेस के कार्यकर्ता मारे जा रहे हैं। उस स्थगन पर हम चर्चा कराना चाहते हैं। उस पर चर्चा नहीं होगी। (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :- सौरभ सिंह जी, आप बोलिये।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- हम सुनने को तैयार हैं, आप लोग कुछ भी थोड़ी बोलेंगे।

उपाध्यक्ष महोदय :- आप उनको बोलने दीजिए न। (व्यवधान)

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- आप मंत्रियों को प्रताड़ित करिये। आप देखिये, वह मंत्री खड़े हैं।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- मंत्रियों को खड़ा होने का अधिकार है। जितना आपको अधिकार है, उतना मेरे को भी अधिकार है।

उपाध्यक्ष महोदय :- मंत्री जी, मेरा यह कहना है कि हमको प्रतिपक्ष की बात को सुनना है। उनको बोलने दीजिए, आप लोग थोड़ा सहयोग कीजिए। यदि आप सहयोग नहीं करेंगे तो मैं आगे बढ़ जाऊंगा।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, वह सही-सही बोलेंगे तो हम लोग सुनेंगे।

उपाध्यक्ष महोदय :- प्रतिपक्ष के सदस्यों को बोलने दीजिए। आप लोग शांत रहिये। आप लोग बैठिये। मैं जब खड़ा होता हूं तो आप बैठ जाईये। आप लोगों को डॉयरेक्ट भाषण नहीं देना है। सौरभ सिंह जी, अपनी बात सदन में रखिये।

श्री सौरभ सिंह :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, बस्तर जल रहा है। बस्तर धर्मांतरण और मतांतरण की प्रयोगशाला बन गया है। आदिवासी संस्कृति ..। (व्यवधान)

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, यह क्या हो रहा है ? (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :- आप सुनिये न। आप अपनी बात रखिये। (व्यवधान)

श्री सौरभ सिंह :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, लगातार आदिवासी संस्कृति, आदिवासी सभ्यता पर कुठाराघात हो रहा है, राजनीतिक हत्याएं हो रही हैं, टॉलरेटेड किलिंग हो रही है। बस्तर में कुत्सिक राजनीतिक हत्या हुई। जिला बस्तर के लिए ..। (व्यवधान)

खाद्य मंत्री (श्री अरमजीत भगत) :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, सौरभ सिंह जी लिख कर लाये हैं, उस भाषण को पढ़ रहे हैं।

उपाध्यक्ष महोदय :- आप लोग बैठिये। आप लोग बैठिये।

श्री धरमलाल कौशिक :- उपाध्यक्ष महोदय, स्थगन पर चर्चा होनी चाहिए। (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :- आपसे अनुरोध है कि हालांकि यह बात को ..। अभी आप लोग बैठिये। मैं माननीय अग्रवाल जी से कहना चाहता हूं कि आसंदी के लिए आपकी इस प्रकार की अनुचित बात ठीक नहीं है। (सत्तापक्ष द्वारा शेम-शेम की आवाज) (सत्तापक्ष द्वारा मेजों की थपथपाहट) (व्यवधान) आप लोग बैठ जाईये। आप लोग बैठ जाईये।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- उपाध्यक्ष महोदय, आप सत्ता पक्ष को ही नहीं चला रहे हैं। (व्यवधान)

श्री शैलेश पाण्डे :- उपाध्यक्ष महोदय, ये लोग आसंदी का अपमान कर रहे हैं।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- बृजमोहन जी, आप माफी मांगिये।

उपाध्यक्ष महोदय :- मैं सुन रहा हूं, लेकिन आप अपनी मर्यादा में रहिये। आसंदी का भी महत्व है।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- माफी मांगिये।

उपाध्यक्ष महोदय :- यह उचित नहीं है। आप लोग बैठिये। आप लोग बैठ जाईये।

(सत्तापक्ष द्वारा नारे लगाये गये)

उपाध्यक्ष महोदय :- धरमलाल कौशिक जी, आप बोलिये।

श्री धरमलाल कौशिक :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, स्थगन में चर्चा नहीं होगी तो किसमें चर्चा होगी?

श्री सौरभ सिंह :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, यह लोकतंत्र की हत्या है।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, यह लोकतंत्र की हत्या है। (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :- आप लोग बैठ जाईये। माननीय धरमलाल कौशिक जी, आप बोलिये न।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आप सरकार के ही नहीं, हमारे भी उपाध्यक्ष हैं। (व्यवधान)

(सत्तापक्ष एवं प्रतिपक्ष द्वारा परस्पर विरोधी नारे लगाये गये)

उपाध्यक्ष महोदय :- अब आप लोग बैठ जाईये। यह बजट सत्र है। सामान्यत: बजट सत्र में माननीय सदस्यों को अपनी बात कहने का विभिन्न माध्यमों से अनेक अवसर प्राप्त होता रहता है। बजट सत्र में सामान्यत: स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा नहीं किया जाता। आज अनुपूरक अनुदान पर चर्चा होगी। माननीय सदस्यों को विभागवार चर्चा में अपनी बात कहने का अवसर मिलेगा। माननीय श्री नारायण चंदेल जी एवं श्री सौरभ सिंह जी द्वारा प्रस्तुत स्थगन प्रस्ताव को मैंने अग्राह्य कर दिया है। अब मैं ध्यानाकर्षण सूचना लूंगा। श्री कुलदीप सिंह जुनेजा जी।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आप उनके लिए व्यवस्था दे देते हैं। मंत्री जी डिस्टर्ब कर रहे हैं।

उपाध्यक्ष महोदय :- माननीय कुलदीप सिंह जुनेजा जी।

(सत्ता पक्ष एवं प्रतिपक्ष द्वारा लगातार परस्पर विरोधी नारे लगाये गये)

(प्रतिपक्ष के सदस्य गर्भग्रह में आये)

<u>गर्भगृह में प्रवेश पर स्वमेव निलंबन</u>

उपाध्यक्ष महोदय :- विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमावली के नियम 250 के उप नियम (1) के तहत निम्न सदस्य अपने स्थान को छोड़कर गर्भगृह में प्रवेश करने के कारण, सभा की कार्यवाही से स्वमेव निलंबित हो गए है :-

<u>भारतीय जनता पार्टी</u>

1. श्री धरमलाल कौशिक
2. डॉ. रमन सिंह जी
3. श्री बृजमोहन अग्रवाल जी
4. श्री ननकीराम कंवर जी
5. श्री पुन्नूलाल मोहले
6. श्री अजय चन्द्राकर
7. श्री नारायण चंदेल
8. श्री शिवरतन शर्मा
9. डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी
10. श्री सौरभ सिंह
11. श्री डमरूधर पुजारी
12. श्री रजनीश कुमार सिंह
13. श्रीमती रंजना डीपेन्द्र साहू

जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे)

1. श्री प्रमोद कुमार शर्मा

कृपया निलंबित सदस्य सदन से बाहर जायें। मैं निलंबन की अवधि पश्चात् निर्धारित करूंगा।

उपाध्यक्ष महोदय :- सभा की कार्यवाही 10 मिनट तक के लिए स्थगित।

(12.54 से 1.12 बजे तक कार्यवाही स्थगित रही)

समय :
1.12 बजे **(उपाध्यक्ष महोदय (श्री संतराम नेताम) पीठासीन हुए)**

अशोधित/प्रकाशन के लिये नहीं

निलंबन समाप्ति की घोषणा

उपाध्यक्ष महोदय :- प्रक्रिया तथा कार्यसंचालन संबंधी नियमावली के नियम 250(1) के तहत माननीय सदस्यगण अपने स्थान को छोड़कर गर्भगृह में प्रवेश करने के कारण सभा की कार्यवाही से स्वयमेव निलंबित हो गये थे। उनका निलंबन समाप्त करता हूँ। (व्यवधान)

पृच्छा

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, हम लोगों ने स्थगन दिया हुआ है । बस्तर में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं को मारा जा रहा है । संघ के सदस्यों को (व्यवधान) रोका जा रहा है । (व्यवधान) माननीय उपाध्यक्ष महोदय, हमारा आपसे बार-बार आग्रह है कि आप हमारे स्थगन को स्वीकार करें और स्वीकार करके उस पर चर्चा करायें । (व्यवधान) माननीय उपाध्यक्ष महोदय, स्थगन हमारा अधिकार है, आपको स्थगन पर चर्चा करानी चाहिए ।

श्री धरमलाल कौशिक :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, हम लोगों ने स्थगन दिया है और अभी स्थगन में हम लोग बोल भी नहीं पाये हैं । (व्यवधान)

समय :
1.13 बजे

(भारतीय जनता पार्टी के सदस्य गर्भगृह में आये)

(भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों द्वारा गर्भगृह में रहते हुए नारे लगाये गये।)

समय :
1.13 बजे

ध्यानाकर्षण सूचना

(1) स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा चयनित एजेंसियों द्वारा स्वामी आत्मानंद विद्यालय के तहत् चयनित विद्यालयों के जीर्णोद्धार कार्य में विलंब किया जाना .

श्री कुलदीप जुनेजा (रायपुर नगर) :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मेरी ध्यानाकर्षण सूचना का विषय इस प्रकार है -

रायपुर नगर की दो शालाओं निवेदिता कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला तथा पी.जी. उमाठे उच्चतर माध्यमिक शाला शांतिनगर का चयन स्वामी आत्मानंद विद्यालय के तहत् किया जाकर कलेक्टर रायपुर द्वारा इनके विकास के लिये लगभग 80 लाख रूपए की राशि डी.एम.एफ. मद के तहत् स्वीकृत की गई एवं रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड को इसका कार्य सौंपा गया । (व्यवधान) स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने करीब 5 माह पूर्व इन कार्यों के लिए जिन एजेंसियों का चयन कर जिम्मेदारी सौंपी, उनका काम काफी धीमी गति से चल रहा है । (व्यवधान) आज की स्थिति में इन दोनों विद्यालयों में 10

प्रतिशत कार्य भी नहीं हो पाया है । स्कूल शिक्षा विभाग इसकी उचित मॉनीटरिंग नहीं कर रहा है, जिससे लोगों में रोष एवं आक्रोश व्याप्त है। (व्यवधान)

समय :
1:15 बजे

<u>गर्भगृह में प्रवेश पर स्वमेव निलंबन</u>

उपाध्यक्ष महोदय :- विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमावली के नियम 250 के उप नियम (1) के तहत निम्न सदस्य अपने स्थान को छोड़कर गर्भगृह में प्रवेश करने के कारण, सभा की कार्यवाही से स्वमेव निलंबित हो गए है :-

<u>भारतीय जनता पार्टी</u>

1. श्री धरमलाल कौशिक
2. डॉ. रमन सिंह जी
3. श्री ननकीराम कंवर जी
4. श्री पुन्नूलाल मोहले
5. श्री नारायण चंदेल
6. श्री शिवरतन शर्मा
7. डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी
8. श्री सौरभ सिंह
9. श्री डमरूधर पुजारी
10. श्री रजनीश कुमार सिंह
11. श्रीमती रंजना डीपेन्द्र साहू

जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे)

1. श्री प्रमोद कुमार शर्मा

कृपया निलंबित सदस्य सदन से बाहर जायें। मैं निलंबन की अवधि पश्चात् निर्धारित करूंगा।

(उपरोक्त सदस्यों के अतिरिक्त श्री बृजमोहन अग्रवाल एवं श्री अजय चंद्राकर, सदस्य द्वारा कुछ समय पश्चात गर्भग्रह में प्रवेश किया गया । अत: वे स्वमेव निलंबित हो गए)

(भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों द्वारा गर्भगृह में खड़े होकर नारे लगाये गये।)

अशोधित/प्रकाशन के लिये नहीं

ध्यानाकर्षण सूचना (क्रमश:)

स्कूल शिक्षा मंत्री (डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम) :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, यह कहना सही है कि कलेक्टर रायपुर द्वारा निवेदिया कन्या शाला रायपुर के लिए राशि 4096596 रूपये तथा पी.जी.उमठे कन्या शाला शांति नगर के लिए राशि 8677195 रूपये की स्वीकृति डी.एम.एफ. मद से दिनांक 26/08/2022 को जारी की गई थी।

(भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सदस्यों द्वारा नारे लगाये गये)

निर्माण एजेंसी रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के द्वारा इन कार्यों के लिए दिनांक 08/10/2022 को कार्यादेश जारी किया गया है। कार्य तत्काल प्रारंभ किया गया। शालाओं में अध्ययन-अध्यापन कार्य संचालित रहने के कारण कार्य की प्रगति प्रभावित हुई है। संधारण का कार्य लगातार किया जा रहा है, निवेदिता शाला में प्रसाधन का संधारण, दूषित जल निकासी हेतु भूमिगत नाली, पेंटिंग, रेलिंग का संधारण कार्य हो चुका है तथा शांति नगर शाला में छत में वॉटरप्रुफिंग, प्रसाधन मरम्मत, बाउन्ड्रीवाल का निर्माण, कचरा मलबा की सफाई पूर्ण हो चुका है एवं विद्युतीकरण संधारण तथा 03 कमरों में छत ढलाई का कार्य प्रगति पर है। उक्त दोनों विद्यालय दो पालियों में संचालित है और अध्यापन व्यवस्था बाधित न हो इसको भी ध्यान में रखने के कारण निर्माण कार्य गति में तेजी आएगी।

विभाग द्वारा सतत् मॉनिटरिंग किया जाता है तथा तदाशय की जानकारी से निर्माण एजेंसी को अवगत कराया जाता है।

अत: यह कहना सही नहीं है कि लोगों में किसी प्रकार का रोष एवं आक्रोश व्याप्त है।

श्री कुलदीप जुनेजा :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मेरा मंत्री जी से निवेदन है कि मुख्यमंत्री जी ने शहर के विकास के लिए पैसे में कोई कमी नहीं की। मुख्यमंत्री जी ने शहर में विकास कार्यों के लिए बहुत पैसा दिया है, लेकिन कहीं न कहीं कुछ हमारे काम कराने के लिए जो लोग हैं और जो काम करा नहीं पा रहे हैं, मेरा मंत्री जी से निवेदन है कि इस काम को 6 महीने हो गये और 10 प्रतिशत काम नहीं हुआ तो जल्द से जल्द दोनों स्कूलों में काम करायें और निवेदिता शाला में जो पैसा दिया है, उसमें पूरा काम नहीं हुआ है। मेरा मंत्री जी से निवेदन है कि निवेदिता शाला के लिए 25 लाख रूपये और देने की घोषणा करें। मेरा मंत्री जी से निवेदन है।

डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, जितने भी स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम के स्कूल हैं, उनके मरम्मत का काम डी.एम.एफ. या सी.एस.आर. मद से होता है। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम के जितने भी स्कूल हैं, उनका संधारण डी.एम.एफ. से या सी.एस.आर. मद से होता है। वहां अभी राशि दी गई है और अभी स्कूल संचालित है, उस कारण

से उसमें विद्यार्थी आ रहे हैं। स्कूल की जैसे ही छुट्टी होगी, उसमें निर्माण कार्य तेजी से और जल्दी से होगा।

उपाध्यक्ष महोदय :- चलिए, और प्रश्न पूछ रहे हैं क्या? श्री नारायण चंदेल जी।

ध्यानाकर्षण सूचना क्रमांक 2 :- XX XX

(गर्भगृह में आने के कारण माननीय सदस्य श्री नारायण चंदेल की ध्यानाकर्षण सूचना प्रस्तुत नहीं हुई)

समय :

1:19 बजे

<u>नियम 267 "क" के अधीन शून्यकाल की सूचनाएं</u>

उपाध्यक्ष महोदय :- निम्नलिखत सदस्य की शून्यकाल की सूचना सदन में पढ़ी हुई मानी जायेगी तथा इसे उत्तर के लिए संबंधित विभाग को भेजा जायेगा :-

1. श्री कुलदीप जुनेजा

समय :

01:20 बजे

<u>प्रतिवेदन की प्रस्तुति</u>

<u>गैर सरकारी सदस्यों के विधेयकों तथा संकल्पों संबंधी समिति के प्रथम प्रतिवेदन की प्रस्तुति एवं पारण</u>

श्री धनेन्द्र साहू :- उपाध्यक्ष महोदय मैं गैर सरकारी सदस्यों के विधेयकों तथा संकल्पों संबंधी समिति का प्रथम प्रतिवेदन प्रस्तुत करता हूं।

प्रतिवेदन इस प्रकार है :-

समिति ने सदन के समक्ष शुक्रवार, दिनांक 03 मार्च, 2023 को चर्चा के लिए आने वाले गैर सरकारी सदस्यों के कार्य पर विचार किया तथा निम्नलिखित अशासकीय विधेयक तथा अशासकीय संकल्पों पर चर्चा के लिए निम्नानुसार समय निर्धारित करने की सिफारिश की है :-

<u>अशासकीय विधेयक क्र.</u>	**<u>सदस्य का नाम</u>**	**<u>समय</u>**
(क्रमांक-10 सन् 2021)	श्री सत्यनारायण शर्मा	1 घण्टा 30 मिनट
<u>अशासकीय संकल्प क्र.</u>	**<u>सदस्य का नाम</u>**	**<u>समय</u>**
(क्रमांक - 04)	डॉ. विनय जायसवाल	20 मिनट
(क्रमांक - 05)	श्री धर्मजीत सिंह	20 मिनट
(क्रमांक - 01)	श्री नारायण चंदेल	20 मिनट

श्री धनेन्द्र साहू :- मैं प्रस्ताव करता हूं कि सदन गैर सरकारी सदस्यों के विधेयकों तथा संकल्पों के प्रथम प्रतिवेदन से सहमत है।

उपाध्यक्ष महोदय :- प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ।

उपाध्यक्ष महोदय :- प्रश्न यह है कि - सदन गैर सरकारी सदस्यों के विधेयकों तथा संकल्पों संबंधी समिति के प्रथम प्रतिवेदन से सहमत है।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

समय :

01:22 बजे **<u>वित्तीय वर्ष 2022-2023 के तृतीय अनुपूरक अनुमान की अनुदान मांगों पर मतदान</u>**

उपाध्यक्ष महोदय :- अब अनुपूरक मांगों पर चर्चा होगी। परम्परानुसार सभी मांगे एक साथ प्रस्तुत की जाती हैं और उस पर एक साथ चर्चा होती है। अत: मैं माननीय मुख्यमंत्री से कहूंगा कि वे सभी मांगे एक साथ प्रस्तुत कर दें।

मैं समझता हूं कि सदन इससे सहमत होगा।

सदन द्वारा सहमति प्रदान की गई.

मुख्यमंत्री (श्री भूपेश बघेल) :- उपाध्यक्ष महोदय, मैं राज्यपाल महोदय की सिफारिश के अनुसार प्रस्ताव करता हूं कि :-

दिनांक 31 मार्च, 2023 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष में अनुदान संख्या- 1, 3, 6, 7, 8, 10, 11, 12, 13, 14, 19, 20, 21, 24, 25, 28, 29, 30, 32, 33, 37, 39, 41, 42, 43, 44, 47, 51, 55, 64, 66, 69, 71, 76, 79 एवं 81 के लिए राज्य की संचित निधि में से प्रस्तावित व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को कुल मिलाकर चार हजार एक सौ तिरालिस करोड, साठ लाख, इकहत्तर हजार, छ: सौ बावन रूपये की अनुपूरक राशि दी जाये।

उपाध्यक्ष महोदय :- मेरा प्रतिपक्ष के सभी साथियों से निवेदन है कि कृपया वे बाहर चले जाएं।

उपाध्यक्ष महोदय :- प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ।

उपाध्यक्ष महोदय :- मेरा प्रतिपक्ष के सदस्यों से निवेदन है कि वे सभा से बाहर चले जाएं। श्री देवन्द्र यादव जी।

श्री देवेन्द्र यादव (भिलाई नगर) :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आज हमारे सदन के नेता आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने सदन में जो अनुपूरक अनुदान मांग प्रस्तुत किया है, मैं अनुपूरक अनुदान मांगों का समर्थन करता हूं और जिस तरीके से हम इस सदन के अंदर देख रहे हैं कि विपक्ष लगातार छत्तीसगढ़ की जनता का अपमान कर रही है। विपक्ष लगातार छत्तीसगढ़ की भावनाओं का अपमान कर रहा है।

श्री अरूण वोरा :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, यह झूठ की राजनीति बंद होनी चाहिए। आपने 15 साल तक बहुत छल-प्रपंच कर लिया।

श्री देवेन्द्र यादव :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, हम जिस तरीके से देख रहे हैं कि विपक्ष ने एक ऐसी नीति अपनाई है जो नीति इस सदन की गरिमा के खिलाफ है। आप समझ सकते हैं कि इस सदन के हमारे विपक्ष के सम्माननीय साथी जिस तरीके से नपुंसक शब्द का इस्तेमाल कर रहे हैं, यह लज्जा की बात है कि इतने विद्वान, इतने श्रेष्ठ और विपक्ष के इतने सीनियर विधायक नपुंसक जैसे शब्द का इस्तेमाल करके इस सदन की गरिमा को लगातार तार-तार कर रहे हैं। यह सदन छत्तीसगढ़ की जनता के लिए बनाया गया है। इस सदन की कार्यवाही छत्तीसगढ़ की जनता की भलाई के लिए होती है। यह सदन चर्चा के लिए बनाया गया है, लेकिन इनका जो स्वरूप है, इनकी जो योजना है वह छत्तीसगढ़ की जनता की भलाई के लिए नहीं है। यह चाहते हैं कि जिस तरीके से ये लोग इनकी सरकार के समय प्रसादप्रयत्न सरकार चला रहे थे, वैसी ही सरकार अभी भी चले।

उपाध्यक्ष महोदय :- थोड़ा और बोलिए, साऊंड नहीं आ रहा है।

श्री देवेन्द्र यादव :- यह लगातार लोगों की आवाजों को रोकना चाह रहे हैं और दबाना चाह रहे हैं, लेकिन हम दबने वालों में से नहीं हैं। हम नहीं दबेंगे, हम नहीं झुकेंगे। छत्तीसगढ़ की जनता की खुशहाली के लिए यह सरकार निरंतर पूरी लगन और ईमानदारी से काम करती रहेगी। आप देखेंगे कि इस अनुपूरक अनुमानित बजट में जिस तरह से सभी विषयों को बड़ी जिम्मेदारी से रखा गया है, भले वह युवाओं की बात हो, महिलाओं की बात हों, हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की बात हो या हमारे छत्तीसगढ़ के जो शहर हैं, उनके शहरीकरण को और बढ़ावा देने की बात हो, उनकी मदद करने की बात हो, हमारी सरकार हर एक विषय में काम कर रही है।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, पिछले समय में हम लोगों ने यह महसूस कि भारतीय जनता पार्टी जिस तरीके से और जिस रवैये से शासन कर रही है, वह देखने योग्य है। आज एक तरफ ये यहां पर आकर चीख-चीख कर किसानों की बात कहते हैं और दूसरी तरफ इनकी ही सरकार, जो केन्द्र में बैठी है, वह हमारे समर्थन मूल्य को देने में रोक लगाती है, हमारी सरकार को रोकने की कोशिक करती है।

श्री अरूण वोरा :- भाई, कुछ काम, कुछ धाम करो, जग में कुछ नाम करो। आपको जनता ने मौका दिया है। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं विपक्ष के सदस्यों...।

श्री देवेन्द्र यादव :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से यह बात कहना चाहता हूं कि एक तरफ यह नकली ढोंग करते हैं। यह किसानों के आंसू पोंछने का ढोंग करते हैं। मैं आपके माध्यम से इनसे यह सवाल पूछना चाहता हूं कि यदि यह किसान के हितैषी हैं तो यह इसी तरह का आंदोलन केन्द्र सरकार के खिलाफ क्यों नहीं करते ? ये अपने नेताओं से बात क्यों नहीं करते ? जब हमारे देश के मंत्री, गृहमंत्री आते हैं तो यह उनके पीछे-पीछे भागते हैं, लेकिन इनकी हिम्मत नहीं होती है और यह एक बार भी नहीं कहते हैं कि हमारे किसानों के लिए यह सरकार जो समर्थन मूल्य दे रही है, उसका आप भी समर्थन कीजिए। यह नहीं बोल पाते, कभी नहीं बोल पाते। इसी तरह से आप यह

देखियेगा कि यह आवासों के लिए धरना करते हैं। इनको लज्जा आनी चाहिए क्योंकि यह इंसान को इंसान नहीं समझते और उनको पंगु बनाना चाहते हैं। आज देखिये, हमारी सरकार ने क्या किया ? सैकड़ों से, दशकों से हमारे छत्तीसगढ़ की आम जनता, चाहे वह आदिवासी अंचल के लोग हों, शहरी अंचल के लोग हों, ग्रामीण परिवेश के लोग हों, वह अपने मकान और अपनी जमीन का अधिकार मांग रहे थे। यदि किसी ने उनको उनका अधिकार और न्याय दिया है तो भूपेश सरकार ने उनको न्याय दिया है। आप देखिये कि आदिवासी पट्टा दिया गया, आदिवासी सामूहिक पट्टा दिया गया।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपको एक घटना बताता हूं, जिसमें इनकी कथनी और करनी आपके सामने प्रूफ हो जाएगी। एक समय की बात है, जब मैं भिलाई नगर-निगम का महापौर था, मैंने महापौर के रूप में इनसे मांग की कि हमारे यहां नेहरू नगर के पास वैशाली नगर में एक बस्ती है - मॉडल टाऊन, पड़िया पारा, यह उस बस्ती को। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, अभी मेरी बात कम्प्लीट नहीं हुई है।

उपाध्यक्ष महोदय :- दो मिनट रूकिये।

<u>सदन को सूचना</u>

आज की कार्यवाही का कार्य पूर्ण होने तक सभा की कार्यवाही में वृद्धि की जाये, मैं समझता हूं कि सभा इससे सहमत है।

(सभा द्वारा सहमति प्रदान की गई)

श्री देवेन्द्र यादव :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपको एक घटना बता रहा हूं । मैं भिलाई नगर निगम में महापौर के रूप में कार्यरत् था, उस समय इनकी पार्टी की सरकार थी । मैं आपको परियापारा और मॉडल टाऊन का एक उदाहरण देता हूं, उससे आपको और इस सदन को समझ में आएगा कि इनकी कथनी और करनी में किस तरीके से अंतर है । परियापारा मॉडल टाऊन एक बस्ती है, जहां पर 50 सालों से लोग रह रहे थे । हम वहां पर गए, उस समय इनकी सरकार का, रमन सरकार का आदेश आया कि इनका घर यहां से हटा दिया जाये, उखाड़ फेंका जाये । 50 साल की बस्ती को, शहर के बीचों-बीच की बस्ती को ये उखाड़ फेंकना चाहते थे । उस समय महापौर रहते हुए हमने इनका विरोध किया, हमने कहा कि इन लोगों को वहीं रहने की जगह दी जाये, वहीं पट्टा दिया जाये, वहीं मोर जमीन, मोर मकान योजना का लाभ दिया जाये, लेकिन इन्होंने किसी की भी बात नहीं सुनी, एक व्यक्ति की भी बात नहीं सुनी । इसके बाद जब भूपेश बघेल जी की सरकार आई, कांग्रेस पार्टी की सरकार आई तो वही परियापारा, वही मॉडल टाऊन में लोगों को उनकी जमीन का मालिकाना अधिकार दिया गया और उनको वहीं बसाया गया । मोर जमीन, मोर मकान में उनको 1 लाख, 80 हजार से ढाई

लाख रूपए तक देने का काम हमारी सरकार कर रही है । उस पर ये लोग क्या बोलेंगे ? ये लोग गुमराह करते हैं, जनता यह सब समझती है । जनता को पट्टा चाहिए, अधिकार चाहिए । ये लोग प्रधानमंत्री आवास योजना के नाम पर गुलामी कराना चाहते हैं । ये कहते हैं कि केन्द्र सरकार से पैसा आया है । मैं कहना चाहता हूं कि यह वरिष्ठ विधायक जो ऊंगली उठा-उठाकर बोल रहे हैं, आपको लज्जा आनी चाहिए ।

उपाध्यक्ष महोदय :- शैलेश पांडे जी अपनी बात शुरू करें ।

श्री देवेन्द्र यादव :- उपाध्यक्ष महोदय, मेरी बात पूरी नहीं हुई है, मुझे कहने दीजिए । इनको लज्जा आनी चाहिए । (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :- मेरा प्रतिपक्ष के सदस्यों से अनुरोध है कि वे बाहर चले जाएं । (व्यवधान)

श्री देवेन्द्र यादव :- यह जनता का अपमान है, छत्तीसगढ़ का अपमान है । (व्यवधान) यह जनता की सरकार है, यह 71 विधायकों की सरकार है । आप नपुंसक किसको कह रहे हैं ? पहले उसका जवाब दो । आप छत्तीसगढ़ की जनता के लिए नपुंसक जैसे शब्द इस्तेमाल करके उनको बेईज्जत नहीं कर सकते । मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि ये हार्स ट्रेडिंग करते हैं । ये ऐसा काम करते हैं, जिससे सोचने पर विवश करता है, लोगों को मजबूर करने की कोशिश करते हैं । ये जो कह रहे हैं, वह सच नहीं है । हम कह रहे हैं, वह सच है क्योंकि हम जनता की बात कह रहे हैं । जनता ने इनको सत्ता से बाहर किया है तो ये लोग ई.डी., आई.टी., सी.बी.आई. का इस्तेमाल करके अपनी बात रखना चाहते हैं । मैं बड़ी जिम्मेदारी से कहना चाहता हूं कि आप आदिवासियों के बीच में जाओगे तो आदिवासी आपको भगाएगी । हमारी सरकार ऐसी सरकार है, जो अधिकार देने का काम करती है । ये लोग तेंदूपत्ता का 24 सौ रूपये देकर 1600 रूपये अपनी जेब में भरकर भ्रष्टाचार करते थे ।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, इन्होंने नया रायपुर क्या बनाया ? केवल भ्रष्टाचार की ईमारत बनायी, भ्रष्टाचार का जंगल बनाया । इनको लज्जा आनी चाहिए, इनको किसी बात को कहने का कोई अधिकार नहीं है और जिस तरीके से ये लोग सदन के अधिकारों का हनन कर रहे हैं ।

उपाध्यक्ष महोदय :- शैलेश पांडे जी अपनी बात शुरू करें ।

श्री देवेन्द्र यादव :- उपाध्यक्ष महोदय, मेरी बात पूरी होने दीजिए । जिस तरीके से हमारे अधिकारों का हनन कर रहे हैं । हम प्रदेश की जनता की बात कहने के लिए यहां पर आये हैं, लेकिन यह लोग नहीं चाहते कि जनता को सहयोग मिले।

उपाध्यक्ष महोदय :- देवेन्द्र भाई, आपको बोलते हुए 20 मिनट हो गए ।

श्री देवेन्द्र यादव :- ये जनता के खिलाफ हैं । यह सत्ता चाहने वाली पार्टी है। आज इस सदन के माध्यम से प्रदेश के जनता की बात रखकर यहां पर उनकी खुशहाली की बात करना चाहते हैं, लेकिन ये नपुंसक कहते हैं, ये नपुंसक किसे कहते हैं ? आप इसका जवाब दीजिए । यह सरकार जनता की सरकार

है, हम लोग लोकतंत्र में जनता का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं । यह नपुंसक जनता को कहना चाह रहे हैं क्या ? यह इसका जवाब दें कि नपुंसक किसको कहना चाह रहे हैं ? छत्तीसगढ़ की जनता के खिलाफ ऐसा अपमान हम बिल्कुल भी सहन नहीं करेंगे । यह हमारी चुनी हुए जनता की सरकार है, जिसे यह लोग बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं ।

उपाध्यक्ष महोदय :- कृपया निलंबित सदस्य सभा से बाहर चले जाएं ।

श्री देवेन्द्र यादव :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि इनके नेता प्रतिपक्ष कौन हैं ? बताईये, कि इनके नेता प्रतिपक्ष कौन हैं ? ये नेता प्रतिपक्ष जी का भी अपमान करते हैं।

उपाध्यक्ष महोदय :- श्री शैलेश पाण्डेय जी।

श्री देवेन्द्र यादव :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आप मुझे समय नहीं दे रहे हैं। मैं आपको इनके बारे में बताना चाहता हूं और इनसे पूछना चाहता हूं कि इनके नेता प्रतिपक्ष कौन है ? ये पहले धरम भईया के अधिकारों का हनन करते थे, अब हमारे चंदेल जी को पूछते नहीं हैं। इनके नेता प्रतिपक्ष कौन है, यह बताईये। कल माननीय मुख्यमंत्री जी कहा तो आज हम भी छत्तीसगढ़ विधान सभा नियम प्रक्रिया की किताब पढ़कर आये हैं, उसमें लिखा कि सदन से बहिर्गमन नेता प्रतिपक्ष के नेतृत्व में होगा। लेकिन यहां इनका कोई भी सदस्य खड़े होकर बहिर्गमन कर देता है तो ऐसे कैसे हो सकता है। यह नियम प्रक्रिया सदन चलाने का नियम है, रवैया है। इनके एक सदस्य बोलते समय अपनी सीट छोड़कर बाहर आते हैं और डराते हैं, नपुंसक कहते हैं। ये भ्रष्टाचार से डूबे हुए लोग हैं, यह मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहता हूं। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, ई.डी., सी.बी.आई. के दम पर नेतागिरी करते हैं। आप लोग लज्जा करो, आप लोगों को जेल जाना पड़ेगा।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहता हूं कि यह सरकार जनता के लिए काम कर रही है, लोगों के लिए काम कर रही है, लोगों की भावनाओं के लिए काम कर रही है। हमारे राष्ट्रीय अधिवेशन तक को रोकने के लिए अपनी जाल लगा दी थी। इनको लज्जा आनी चाहिए। मैं तो यह भी कहूंगा कि ये लोग हार को स्वीकार कर चुके हैं, इनको छत्तीसगढ़ की जनता ने नकार दिया है। इसलिए लगातार इस तरीके से गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, ये लोग सोने की माला बोलते हैं। उपाध्यक्ष महोदय, आपके बाजू में जो मार्शल खड़ा है, कल उसको भी बोल देंगे कि सोने का बैच लगाकर आया हुआ है, ये ऐसे झूठे लोग हैं। इनको हमारे बैगा समाज के लोग माफ नहीं करेंगे। हमारे आदिवासी अंचल के लोग माफ नहीं करेंगे। क्योंकि आप गुमराह करने की कोशिश करते हो। लेकिन हम नहीं डरेंगे। छत्तीसगढ़ की जनता हमारे साथ है, छत्तीसगढ़ के किसान भूपेश सरकार के साथ है। छत्तीसगढ़ के नवजवान कंधे से कंधा मिलाकर आपको समर्थन दे रहे हैं। आपने उनको लगातार ठगा है।

उपाध्यक्ष महोदय :- देवेन्द्र जी, आपको बोलते हुए 25 मिनट हो गए हैं।

श्री देवेन्द्र यादव :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आने वाले समय में जनता के बीच में जवाब दोगे, तब जाना पड़ेगा। लेकिन हम आपके इस तरह के दबाव में नहीं आयेंगे। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मेरा निवेदन है, हम चाहते हैं कि अच्छी चर्चा हो, खुली चर्चा हो, लेकिन ये तो चर्चा से भाग रहे हैं, ये तो चर्चा से डर रहे हैं। इनकी हिम्मत नहीं है कि इसका स्मूथली जवाब दे सकें। इसलिए ये मैदान छोड़कर यहां पर खड़े हुए हैं। मेरा निवेदन है कि ऐसे सदन नहीं चलता है। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आपने बोलने का समय दिया, बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अरूण वोरा :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, ये जितने भी आरोप लगा रहे हैं, 15 साल तक ये सारे काम हुए हैं।

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- ये लोग 15 साल तक मनमानी कर रहे थे और अभी चिल्ला रहे हैं। आप लोग जो सब कुछ किए हो, उसको ये नियमित कर रहे हैं।

उपाध्यक्ष महोदय :- मेरा प्रतिपक्ष के सभी सदस्यों से निवेदन है कि कृपया सभा से बाहर चले जायें। श्री शैलेश पाण्डेय।

डॉ. रश्मि आशिष सिंह :- उपाध्यक्ष जी, आज विपक्ष वाले आपका वेलकम बहुत जोरदार कर रहे हैं। दिनभर से बहुत जोरदार वेलकम कर रहे हैं।

श्री शैलेश पाण्डेय (बिलासपुर) :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आज माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा अनुपूरक अनुदान मांग चार हजार एक सौ तिरालीस करोड़, साठ लाख, इकहत्तर हजार छः सौ बावन रूपये का प्रस्तुत किया गया है, मैं इन अनुदान मांगों का समर्थन करता हूं।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, ये अडानी के दोस्त, अडानी के मित्र जो यहां पर शोर मचा रहे हैं, ये प्रदेश के विकास का विरोध कर रहे हैं। विकास विरोधी ये अडानी के मित्र, अनुपूरक पर चर्चा नहीं कर रहे हैं। आपने अनुपूरक पर चर्चा करने के लिए समय दिया है, लेकिन इनके द्वारा अनुपूरक अनुदान पर चर्चा क्यों नहीं की जा रही है ? ये अडानी के मित्र, छत्तीसगढ़ के विरोधी हैं, छत्तीसगढ़ के विकास के विरोधी हैं, ये छत्तीसगढ़ के किसानों के विरोधी हैं। ये अडानी मित्रों से कहना चाहता हूं कि छत्तीसगढ़ में अडानी के मित्रों का बोलबाला नहीं होगा। यह भूपेश बघेल जी की सरकार है, यह अडानी के मित्रों की सरकार नहीं है, माननीय भूपेश बघेल जी की सरकार है, ये अडानी के मित्र उस तरफ अडानी से दोस्ती निभाते हैं और यहां पर बनावटी आंसू बहाते हैं ।

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- अडानी के घर ई.डी. भेजो ई.डी. । अडानी के घर में ई.डी. भेजो तो हम समझ जायेंगे कि आपमें ताकत है ।

श्री शैलेश पाण्डेय :- उपाध्यक्ष महोदय, अडानी के मित्रों को जनता जान चुकी है ।

श्री देवेन्द्र यादव :- इनके चेहरे की मुस्कुराहट बता रही है कि पाण्डेय जी की बात में सच है ।

श्री शैलेश पाण्डेय :- 3 करोड़ की जनसंख्या, इनके अडानी मित्र को हमारी जनता समझ चुकी है । यह विकास करने नहीं देंगे । माननीय उपाध्यक्ष महोदय, जो नेता होता है, वह जनता के सुख-दुख का साथी होता है, अगर आज यह बजट माननीय मुख्यमंत्री जी ने पेश किया है, मैं इसमें कहना चाहता हूँ कि इस छत्तीसगढ़ में ऐसा कौन सा मुख्यमंत्री हुआ है जो 120 बार जनता के पास गया है । 120 बार भेंट मुलाकात किया है । आज तक ऐसा कोई मुख्यमंत्री पैदा नहीं हुआ है । माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आज देश की हालत क्या है, देश की एक-एक संपत्तियों को बेचा जा रहा है, जवाहरलाल नेहरू जी हमारे प्रथम प्रधानमंत्री हुआ करते थे, उनके द्वारा बनाई गई, इस देश की जनता की खून पसीने की जो कमाई है, खून पसीने की कमाई को बेचा जा रहा है । माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपको बताता हूँ...।

श्रीमती संगीता सिन्हा :- हम लोग भी धरमलाल भईया के साथ हैं । हम लोग भी धरमलाल भईया के साथ है ।

उपाध्यक्ष महोदय :- दो मिनट । मेरा प्रतिपक्ष के सदस्यों से निवेदन है कि कृपया सभा से बाहर चले जायें । शैलेष पाण्डेय जी ।

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- जब आप भाग नहीं ले रहे हो तो डिस्टर्ब भी मत कीजिए ना । जब आप भाग नहीं ले रहे हो तो आपको बोलने का भी अधिकार नहीं है ।

श्री शैलेश पाण्डेय :- उपाध्यक्ष महोदय, आपके मित्र पूरे देश को बेचने में लगे हुये हैं । देश की सारी संपत्तियां चाहे रेल हो, चाहे हवाई जहाज हो, चाहे एल.आई.सी. हो, सब को बेचा जा रहा है । हमारे अडानी के मित्रों को बहुत कष्ट हो रहा है, क्योंकि आज सरकार के विकास के लिये हम पैसा दे रहे हैं । आप चर्चा में आईये ।

श्रीमती अनीता योगेन्द्र शर्मा :- याद रखना, हम लोग भी बोलने नहीं देंगे।

श्रीमती संगीता सिन्हा :- आज इन लोग झगड़ालू पड़ोसन हो गये हैं ।

उपाध्यक्ष महोदय :- पाण्डेय जी, आप मेरी तरफ सीधे बात करिये ।

श्री शैलेश पाण्डेय :- उपाध्यक्ष महोदय, आप चर्चा में आईये, आप चर्चा में क्यों नहीं आ रहे हैं, आपको सरकार मौका दे रही है । माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आपको इस प्रदेश की हालत पता है, इस प्रदेश में क्या स्थिति हुआ करती थी, हमारे प्रदेश में जिस प्रकार से हमारे किसान भाई आत्महत्या कर रहे हैं, 15 सालों में किसानों ने जो आत्महत्यायें की है, आज चार साल हो गया है, आज आप किसानों को देखें ।

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- उपाध्यक्ष महोदय, इन लोगों को सदन से बाहर करो, इन लोगों को सदन से बाहर होना चाहिये ।

श्री शैलेश पाण्डेय :- माननीय मुख्यमंत्री जी ने 150 करोड़ रूपये माननीय मुख्यमंत्री जी ने किसानों के जेब में पैसा डाला है । हमने प्रदेश की स्थिति को सुधारा है । हमने मार्केट में पैसा लाया है । मार्केट में पैसा लाकर हमने किसानों का स्तर बढ़ाया है ।

उपाध्यक्ष महोदय :- प्रकाशचन्द्र नायक जी ।

श्री प्रकाश शक्राजीत नायक (रायगढ़) :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, ये लोग के पास कोई मुद्दा नहीं है, जबरदस्ती यहां पर खड़े हैं, हमारे मुख्यमंत्री जी लगातार भेंट-मुलाकात कर रहे हैं, लगातार उनकी योजनायें प्रदेश में काम कर रही है । चाहे वह किसान हो, चाहे वह मजदूर हो....।

उपाध्यक्ष महोदय :- पाण्डेय जी, समाप्त करिये । प्रकाश शक्राजीत नायक जी।

श्री शैलेश पाण्डेय :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, महात्मा गांधी जी आपके ऊपर बैठे हुये हैं । उन्होंने क्या कहा था, देश की वास्तविक आत्मा हमारे गांव में बस्ती है । जब तक हमारा किसान खुशहाल नहीं होगा, देश प्रगति नहीं करेगा । अगर इस बात का अनुशरण किया है तो माननीय मुख्मंत्री जी ने किया है । हमारी सरकार ने किया है । महात्मा गांधी जी के विचारों पर अगर कोई सरकार चली है तो हमारी भूपेश बघेल जी की सरकार चली है ।

श्री रामकुमार यादव :- इनकी आत्मा अडानी के पास बसती है ।

श्रीमती संगीता सिन्हा :- नेता प्रतिपक्ष को छोड़कर सब बोल रहे हैं ।

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- वह पार्टी का सच्चा भक्त है, सच्चे भक्त पर ऊंगली उठाना गलत है ।

श्री शैलेश पाण्डेय :-माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आपके कार्यकाल में 15 साल में 12 लाख किसान हैं वह पंजीकृत हुये हैं, लेकिन आज 4 साल में दोगुना हो गया है, आज 26 लाख किसान हमारे पंजीकृत हो गये हैं । आज 26 लाख किसानों का सरकार पर भरोसा है । हम लोगों ने लगभग-लगभग 1 करोड़ 7 लाख मिट्रिक टन धान लिया है। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, हमारे मुख्यमंत्री जी की यह दूरदर्शिता थी कि आज किसानों का 1 करोड़ 7 लाख मिट्रिक टन अन्न लिया गया।

उपाध्यक्ष महोदय :- पाण्डे जी, 10 मिनट हो गया। अब समाप्त करिये।

श्री शैलेश पाण्डे :- आज छत्तीसगढ़ की सरकार इतिहास रच रही है। जिस प्रकार से हमारे किसानों का अन्न लिया जा रहा है, एक-एक दाना खरीदा जा रहा है। हम इतिहास गढ़ रहे हैं। लेकिन यह हमारे किसान विरोधी, विकास विरोधी अडाणी मित्र, इस बात को नहीं समझेंगे क्योंकि ये लोग विकास विरोधी हैं। हमारे अडाणी मित्रों को समझना चाहिए कि आज किस प्रकार से छत्तीसगढ़ आगे बढ़ रहा है। आज यदि 26 लाख किसानों का पंजीयन है तो ये 26 लाख किसान सरकार के ऊपर विश्वास करते हैं।

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- उपाध्यक्ष महोदय, अडाणी जी अमीरों की सूची में 603 से भ्रष्टाचार करके दूसरे नंबर पर आ गये।

श्री शैलेश पाण्डे :- उपाध्यक्ष महोदय, हमने 26 लाख किसानों का विश्वास जीता है, यह हमारी सरकार की पहल थी। हमारी सरकार ने किसानों को संतुष्ट किया है। उपाध्यक्ष महोदय, आप यह जानते हैं कि हम लोगों ने किस प्रकार से काम किया है। यदि अस्पतालों की बात करते हैं तो इनके 15 साल के कार्यकाल में हमारे पास कितने मेडिकल कॉलेज थे ? हमारे पास केवल 6 मेडिकल कॉलेज हुआ करते थे। 6 मेडिकल कॉलेज में 3 मेडिकल कॉलेज प्रारंभ ही नहीं किए गये। प्रारंभ क्यों नहीं किए गये? क्योंकि इन्होंने स्वास्थ्य के क्षेत्र में थोड़ा भी ध्यान नहीं दिया। जब हमारी सरकार आयी तो हमने मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ाकर 6 से 10 की है (मेजों की थपथपाहट)। आज सारे के सारे मेडिकल कॉलेज चालू अवस्था में है, सारे मेडिकल कॉलेज चल रहे हैं। हमको 800 डॉक्टरों की भर्ती करनी थी, 800 पद स्वीकृत थे। हमने 800 डॉक्टरों की भर्ती तो की ही, उसके साथ ही साथ हमने 600 पदों पर और भर्ती की। हमने लगभग 1400 पदों पर भर्ती की।

उपाध्यक्ष महोदय :- पाण्डे जी समाप्त करिये। लगभग 15-20 मिनट हो गया।

श्री शैलेश पाण्डे :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, कोरोना काल में एक अडाणी मित्र बाहर नहीं आया।

श्रीमती संगीता सिन्हा :- आपकी आवाज कम है। थोड़ा खाना खाकर आईये। (श्रीमती रंजना डीपेन्द्र साहू की ओर देखते हुए)

श्री शैलेश पाण्डे :- उपाध्यक्ष महोदय, कोरोना काल में एक भी अडाणी मित्र काम करने नहीं आये, किसी ने भी जनता की सेवा नहीं की। आज हमारे अडाणी मित्रों को बुरा लग रहा है। आज किसान तरक्की कर रहे हैं। आज हम स्वास्थ्य के क्षेत्र में तरक्की कर रहे हैं। यह सोचने की बात है कि माननीय भूपेश बघेल जी की सरकार किस प्रकार से काम कर रही है। जिस प्रकार से हमने किसानों के लिये काम किया उसी प्रकार से हम स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। मैं आपको बताना चाहता हूं कि यह हमारे अडाणी मित्र, इनके ही एक साथी ने हमारे बिलासपुर को खोदापुर बना दिया था।

उपाध्यक्ष महोदय :- पाण्डे जी, अब समाप्त करें। श्री प्रकाश शक्राजीत नायक जी। पाण्डे जी अब थोड़ा समाप्त करिये।

श्री शैलेश पाण्डे :- उपाध्यक्ष महोदय, हमारे अडाणी मित्र ने बिलासपुर को खोदापुर बना दिया, जो आज यहां उपस्थित नहीं है। यह इनका विकास है। आप बिलासपुर चलिये, हम पूरे विपक्ष को बिलासपुर आमंत्रित करते हैं, हम दिखाते हैं कि खोदापुर कैसे फिर से बिलासपुर बन रहा है, वह किस प्रकार बिलासपुर बनने की राह में है। यह हमारे अडाणी मित्र विकास नहीं देख सकते, यह सत्ता के लोभी लोग हैं। अडाणी मित्र को पूरे देश में, पूरे प्रदेशों में केवल सत्ता चाहिए। यही इनके कार्य करने का ..। इनको विकास से कोई लेना देना नहीं है। यह आज नक्सलियों की बात कर रहे हैं। हमें दुख है कि भारतीय जनता पार्टी के किसी व्यक्ति को गोली लगी, हम दु:ख व्यक्त करते हैं, हम खेद व्यक्त करते हैं, हमारी

संवेदनाएं हैं, हमारी सरकार की संवेदनाएं हैं। लेकिन मैं आपको कहना चाहता हूं कि महंगाई से जो भारतीय जनता पार्टी का आदमी मर रहा है, यह उस पर नहीं बोलेंगे। रसोई गैस के दाम से जो भारतीय जनता पार्टी का गरीब मर रहा है, यह उस पर नहीं बोलेंग। क्यों नहीं बोलेंगे ? महंगाई के नाम पर जो इस प्रदेश की जनता मर रही है, उस पर हमारे अडाणी मित्र क्यों कुछ नहीं कहना चाहते हैं ? यहां पर यह झूठी नौटंकी की जा रही है। माफ कीजिए यदि मेरे शब्द गलत है तो विलोपित कर दीजिएगा। लेकिन यहां पर इस तरह घड़ियाली आंसू नहीं बहाना चाहिए। यह पूरा प्रदेश देख रहा है। आज इतने बड़े-बड़े वरिष्ठ नेता, सम्माननीय नेता इस प्रकार से काम कर रहे हैं, यह पूरे प्रदेश की जनता देख रही है। अगर इस प्रकार से काम किया जाएगा तो आप खुद लोकतंत्र की हत्या कर रहे हैं। आपने 15 सालों में किस प्रकार से छत्तीसगढ़ को नक्सलगढ़ बनाया। यह पूरे छत्तीसगढ़ की जनता जानती है। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आप बस्तर क्षेत्र से आते हैं। आपने खुद देखा है कि 15 सालों में पूरे छत्तीसगढ़ में किस प्रकार से नक्सलियों का आतंक था ? स्वयं मुख्यमंत्री जी का जिला नक्सल प्रभावित हो गया था। यह कितनी बड़ी बात थी ?

उपाध्यक्ष महोदय :- माननीय पाण्डे जी, अब आप समाप्त करें। अभी और भी माननीय सदस्यों को बोलना है। आप और कितना समय लेंगे ?

(भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों द्वारा नारे लगाए गए)

श्री शैलेश पाण्डे :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैंने अभी तो शुरूआत की है। मुझे आप अपना संरक्षण दीजिए। अभी थोड़ा सा समय और लगेगा। मैं आपको बताना चाहता हूँ कि हमारी सरकार छत्तीसगढ़ में 12 हजार मेगावाट बिजली उत्पादन करती है और हमारी खपत केवल साढ़े 4 हजार मेगावाट बिजली की है। हमारे मुख्यमंत्री जी ने यह दूरदर्शिता दिखाते हुए, पूरे छत्तीसगढ़ के लोगों का आधा बिजली का बिल माफ कर दिया। लगभग 42 लाख परिवारों को तीन हजार नौ सौ छत्तीस करोड़ रूपये माफ किया गया। यह इन्होंने क्यों माफ नहीं किया ? आप किसानों, गरीबों की बात करते हैं। आपने उनके लिए क्या किया ? आप बताईये ? आपने कभी एक रूपये भी बिजली का बिल माफ किया? आपने यह कभी नहीं किया। यह केवल धर्म की राजनीति करते हैं आज भी यहां पर धर्म का एजेंडा लेकर आएं हैं। हम गिरिजा घर को मंदिर बोलते हैं। सबसे ज्यादा गिरिजा घर किसके राज में खुले ? आप आंकड़े बताईये, यह किसके राज में खुले ? आप ही के अधिकारी हैं। यह 15 सालों तक आप ही के अधिकारी थे। आप ही के अधिकारियों से पूछ लीजिए, जो अधिकारी जवाब देंगे।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, यह धर्म की राजनीति जो देश में हो रही है।

डॉ. रश्मि आशिष सिंह :- माननीय प्रमोद शर्मा जी, आपकी पार्टी का चुनाव चिन्ह क्या है ? आप बताईये ?

श्री शैलेश पाण्डे :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, यह जो धर्म का जहर फैलाया जा रहा है। यह जहर छत्तीसगढ़ ही नहीं,यह हमारे देश को बर्बाद कर देगा, जो धर्म का जहर फैलाया जा रहा है। जिस प्रकार से देश के टुकड़े मानसिक, सामाजिक रूप से किये जा रहे हैं। आज माननीय राहुल गांधी जी को पूरे देश भर में यात्रा करनी पड़ गई, क्यों ? क्योंकि देश के टुकड़े करने की प्लानिंग चल रही है। एक तरफ हमारे अडानी मित्र देश की राष्ट्रीयता की बात करते हैं और दूसरी तरफ देशद्रोह का काम करते हैं। यह किस प्रकार के हमारे अडानी मित्र हैं ? किसी भी जगह जाया जाये। आज लोकतंत्र की हत्या की बात करते हैं। हमारे नेता राहुल गांधी जी ने जो संसद में माननीय मोदी जी के ऊपर बोला, उनका भाषण विलोपित कर दिया गया।

श्री कवासी लखमा :- अडानी का नाम ले रहे हैं तो आप लोग चुप क्यों हैं ? आप लोग अडानी के बारे में बताईये ? अडानी देश को लूट रहा है, आप बताईये। गैस सिलेण्डर का रेट 50 रूपये बढ़ गया है, आप बताईये ?

श्री शैलेश पाण्डे :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, उनका भाषण क्यों विलोपित कर दिया गया। अगर लोकतंत्र की रक्षा करते हैं अगर लोकतंत्र की बात करते हैं तो राहुल गांधी जी का भाषण विलोपित नहीं करना चाहिए था। एक तरफ आप वहां पर राहुल गांधी जी का भाषण विलोपित करते हैं और दूसरी तरफ आप लोकतंत्र की बात करते हैं। यह किस प्रकार का लोकतंत्र है ? यह एक नकली लोकतंत्र की बात करते हैं। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आपको पता होगा। आप बस्तर एरिया से आते हैं इनके कार्यकाल में 3 हजार स्कूलों को बंद कर दिया गया। क्यों ? क्योंकि आप स्कूल चला नहीं पा रहे थे। आपने जिन सरकारी स्कूलों में कोई काम नहीं किया। आपके द्वारा जिस पर किसी प्रकार की गुणवत्ता का काम नहीं हुआ, गुणवत्ता की बात तो छोड़िए, आपने 15 सालों में 3 हजार स्कूल बंद कर दिये। यह कितनी बड़ी बात थी। एक सरकार द्वारा 3 हजार स्कूलों को बंद करना यानी कि छत्तीसगढ़ का जो भविष्य है, उसके भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया। यह बहुत बड़ी बात है। इस प्रकार से हमारे मुख्यमंत्री, हमारी सरकार ने आज छत्तीसगढ़ को कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना, महाराष्ट्र के बराबर खड़ा कर दिया। उन्होंने स्वामी आत्मानंद स्कूल खोले। हमने 450 स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल खोलें। हमारा छत्तीसगढ़ राज्य तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल इन सब के बराबर में आएगा। हमारे छत्तीसगढ़ के बच्चे आगे बढ़ेंगे। आज हमारी छत्तीसगढ़ सरकार के शिक्षा मंत्री बैठे हुए हैं।

श्रीमती संगीता सिन्हा :- माननीय प्रमोद भईया आप तो इधर आ रहे थे।

श्री शैलेश पांडे :- आज स्वामी आत्मानंद स्कूल छत्तीसगढ़ में एक विश्वास का प्रतीक बन गया है। इस बात को हमारे अडानी मित्र भी जानते हैं कि छत्तीसगढ़ में किस प्रकार से हमारी सरकार ने परचम लहराया है।

संसदीय सचिव, महिला एवं बाल विकास मंत्री से संबंद्ध (डॉ. रश्मि आशिष सिंह) :- जब मॉडल स्कूल को डी.ए.व्ही किये थे, भ्रष्टाचार तो तब हुआ था।

श्री शैलेश पांडे :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, पहले यह था कि गरीब का बच्चा कहॉ पढ़ेगा? गरीब का बच्चा प्राइवेट स्कूल में पढने जाता था, लेकिन वह प्राइवेट सकूल में पैसा नहीं दे सकता था। आप पैसा भी नहीं देते थे, गरीबों का भला भी नहीं करते थे। आपने केवल और केवल यही किया कि छत्तीसगढ़ किसी क्षेत्र में आगे न बढ़े, शिक्षा के क्षेत्र में भी आगे न बढ़े। हमारे किसान, गरीब भी आगे न बढ़ें। आपने 15 साल के कार्यकाल में किसी को आगे बढ़ने ही नहीं दिया। इन 04 वर्षों में जिस प्रकार की सोच से काम किया गया है, उस प्रकार से हमारे मुख्यमंत्री जी ने, हमारी सरकार ने काम किया है। हमारी अडानी मित्र कितनी देर तक असत्य बोलेंगे। आप देखिये, आज वह थक गये हैं। अब वह नारे भी नहीं लगा पा रहे हैं। आप देखिये, असत्य बहुत देर तक नारा नहीं लगा सकता है।

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- ई.डी. भेजना जरूरी है।

उपाध्यक्ष महोदय :- पांडे जी, लगभग-लगभग आपकी पूरी बात आ गई है। श्री प्रकाश शक्राजीत नायक जी।

श्री शैलेश पांडे :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आपने बोलने का समय दिया, उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री केशव प्रसाद चन्द्रा :- माननीय उपाध्यक्ष जी, आपकी सीट में बैठे हैं।

श्री अरूण वोरा :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मतदाताओं ने काम करने का अवसर दिया था, अगर यह लोग काम कर लिये होते तो आज यह दिन नहीं देखने पड़ते। आप लोगों के यह हालात हो गये हैं।

उपाध्यक्ष महोदय :- प्रकाश शक्राजीत नायक जी।

श्री प्रकाश शक्राजीत नायक (रायगढ़) :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार लगातार गांव, गरीब, किसान, मजदूर सबके लिए काम कर रही है।

उपाध्यक्ष महोदय :- मेरा प्रतिपक्ष के सभी सदस्यों से आग्रह है कि कृपया सभा से बाहर चले जायें।

(भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों के द्वारा गर्भगृह में नारे लगाये गये)

श्री प्रकाश शक्राजीत नायक :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार लगातार गांव, गरीब, किसान, मजदूर सबके लिए काम कर रही है। हमारे विपक्षी सदस्यों के पास कोई मुद्दा नहीं है, चर्चा से भाग रहे हैं, व्यवधान पैदा कर रहे हैं। हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी धान की 2500 रुपये क्विंटल समर्थन मूल्य में खरीदी कर रहे हैं।

(भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों के द्वारा गर्भगृह में नारे लगाये गये)

उपाध्यक्ष महोदय :- हमारे इस पवित्र सदन में गरिमामयी परंपरा रही है कि हम नियम 250 (1) का पालन कर सभा से निलंबित होने पर सभा से बाहर चले जाते हैं। कृपया निलंबित होने के बाद भी गर्भगृह में रहकर इस गरिमामय परंपरा को, सभा की कार्यवाही को बाधित न करें। निलंबन अवधि समाप्ति के पश्चात कार्यवाही में भाग लें। कृपया सभा से बाहर चले जायें। चलिये, प्रकाश शक्राजीत नायक जी।

(भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों के द्वारा गर्भगृह में नारे लगाये गये)

श्री प्रकाश शक्राजीत नायक :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार लगातार सभी वर्गों के लिए काम कर रही है।.. (व्यवधान).. प्री मैट्रिक आदिवासी बालक छात्रावास गोलापल्ली जिला सुकमा में भवन निर्माण हेतु अनुपूरक बजट में 150 करोड़ रुपये का प्रावधान रखा गया है। जिला जशपुर के ग्राम सलियाटोली में 250-250 सीटर बालक/बालिका छात्रावास भवन निर्माण हेतु भी अनुपूरक बजट में प्रावधान किया गया है। हमारी सरकार लगातार शिक्षा, स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम काम कर रही है। आप लोग थक गये क्या ?

श्री रामकुमार यादव :- विपक्ष के साथी मन आये-बायें-सायें हो गये हैं।

खाद्य मंत्री (श्री अमरजीत भगत) :- जो विधानसभा में ताली बजायेंगे, उनको घर-घर ताली बजाये की ड्यूटी मिलही।

(भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों के द्वारा गर्भगृह में नारे लगाये गये)

उपाध्यक्ष महोदय :- नायक जी, आप बोलिये। प्रकाश जी, आप मेरे से बात करिये, डॉयरेक्ट सीधा इधर देखिये।

श्री प्रकाश शक्राजीत नायक :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, इन लोग बौखला गये हैं। इन लोगों के पास कोई मुद्दा नहीं है। इन लोग लगातार सदन में व्यवधान करने का प्रयास कर रहे हैं।

उपाध्यक्ष महोदय :- आप डायरेक्ट इधर बात करिये। उन लोगों से बात मत करिये।

(गर्भगृह में रहते हुए भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों द्वारा नारे लगाये गये)

श्री प्रकाश शक्राजीत नायक :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार हर विषय, हर क्षेत्र में काम कर रही है। चाहे वह पंचायत विभाग हो, चाहे स्वास्थ्य विभाग हो या चाहे शिक्षा विभाग हो। इस बजट में प्रधानमंत्री सड़क योजना के लिए 321 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। इन लोग प्रधानमंत्री आवास की बात करते हैं। प्रधानमंत्री आवास के लिए 114 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। यह लोग लगातार प्रधानमंत्री आवास के नाम पर राजनीति कर रहे हैं। हमारी सरकार सभी के लिए लगातार काम रह ही है। इन लोग लगातार 15 साल भ्रष्टाचार किए। आज इनको अपनी कहानी याद आ रही है।

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- गरीबों का चावल भी खा गये।

श्री प्रकाश शक्राजीत नायक :- इन लोग 15 साल में नॉन घोटाला से लेकर क्या-क्या घोटाला नहीं किए हैं। ये लोग नक्सलवाद की बात करते हैं। जब इनकी सरकार थी तब पूरे बस्तर क्षेत्र में नक्सलवाद पहुंच गया था। यहां तक की मुख्यमंत्री जी के जिले में भी नक्सवाद आ गये थे। आज नक्सलवाद सिमट कर आ गया है। अब मुश्किल से दो-तीन जिलों में नक्सलवाद है। हमारी सरकार ने लगातार बिजली बिल में भी हॉफ योजना लाई है और हमारी सरकार ने 42 लाख, 10 हजार घरेलू उपभोक्ताओं को 1,115 करोड़ रूपये की राहत दी है। हमारी सरकार में सभी बिजली उपभोक्ता खुश हैं। बिजली बिल हॉफ योजना लगातार चालू हुआ है। इसके लिए भी इस बजट में 19 करोड़ रूपये का प्रावधान रखा गया है।

श्री अमरजीत भगत :- बांधी जी, खड़े-खड़े ताली बजाने का ड्युटी लगा है।

श्री प्रकाश शक्राजीत नायक :- हमारे राज्य में जितने किसान हैं, वह भी बहुत खुश हैं। उनके धान की खरीदी हो रही है। उनके लिए 5 एच.पी. कृषि पंप के लिए नि:शुल्क विद्युत प्रदाय की जा रही है। हमारी सरकार गांव, गरीब, किसान, खेतीहर, मजदूर, सबके लिए लगातार काम कर रही है। हमारी सरकार में सभी खुश हैं। हमारी सरकार में हमारे मुख्यमंत्री जी ने जो योजना लाई है, उसमें गांव, गरीब, किसान, मजदूर, सभी के सभी खुश हैं। आप लोग 15 साल भ्रष्टाचार किए। 15 साल में राज्य की जनता त्रस्त हो गई थी और तभी जनता ने आप लोगों को 15 सीटों में समेट दिया। हमारी सरकार में हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी ने किसानों के लिए इस बजट में 341 करोड़ रूपये का अतिरिक्त प्रावधान किया है। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी के राज्य में, कांग्रेस सरकार की राज्य में स्वास्थ्य सुविधा में बहुत ज्यादा वृद्धि हुई है। कहां 6 मेडिकल कॉलेज थे, यहां डॉक्टरों की कमी थी। आज पूरे प्रदेश में 10 मेडिकल कॉलेज खुल गये हैं और हमने चंदूलाल चंद्राकर मेडिकल कॉलेज को भी अधिग्रहण किया है, जिससे हमारे प्रदेश में डॉक्टरों की संख्या में वृद्धि हो गई है और इसलिए स्वास्थ्य सुविधा में जनता को बहुत ज्यादा लाभ हो रहा है। हमने पूरे राज्य में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना जाल बिछाया है। हम गवं-गांव तक रोड पहुंचा रहे हैं। हमारे जो आम जनता हैं, जिनको परिवहन की सुविधा नहीं मिलती थी, जिसके लिए इस अनुपूरक बजट में प्रधानमंत्री सड़क योजना के लिए 321 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। हमने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन योजना के लिए 60 करोड़ 59 लाख का प्रावधान किया गया है, जिससे हमारे ग्रामीणों के पास जो आजीविका के साधन नहीं थे, उनको आजीविका का साधन मिलेगा।

उपाध्यक्ष महोदय :- नायक जी समाप्त करें । आपको 10 मिनट हो गये हैं ।

श्री प्रकाश शक्राजीत नायक :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, हम लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग में वित्तीय वर्ष 2022-23 में लगभग 24 लाख ग्रामीण परिवारों को घरेलू नल के माध्यम से स्वच्छ जल उपलब्ध कराने का काम कर रहे हैं । इसके लिये 900 करोड़ रूपये का अतिरिक्त प्रावधान किया गया है जो कि बहुत बड़ी राशि है ।

(भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों द्वारा गर्भगृह में रहते हुए नारे लगाये गये)

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने धान खरीदी में एक रिकॉर्ड बनाया है । हमने 1 लाख 7 हजार मीट्रिक टन धान खरीदा है, उनके शासनकाल में मात्र 60 हजार मीट्रिक टन धान खरीदा जाता था ।

उपाध्यक्ष महोदय :- नायक जी समाप्त करें । डॉ. लक्ष्मी ध्रुव । आपको 10-15 मिनट हो गये हैं ।

श्री प्रकाश शक्राजीत नायक :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, हमारे किसान आज खुश हैं । हम किसानों का पूरा धान खरीद रहे हैं । उनसे हमारा जो वादा 2500 रूपये का था, हम उनको 2640 रूपये दे रहे हैं । हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी ने घोषणा की है कि हम अगले वर्ष 2800 रूपये कीमत में धान खरीदेंगे जिससे किसान समृद्ध होगा और सुखी होगा । इनके राज्य में किसान आत्महत्या कर रहे थे, हमारे राज्य में किसान खुश हैं, किसान समृद्ध हैं ।

उपाध्यक्ष महोदय :- नायक जी समाप्त करें । डॉ. लक्ष्मी ध्रुव ।

(भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों द्वारा गर्भगृह में रहते हुए नारे लगाये गये)

श्री प्रकाश शक्राजीत नायक :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, हमने बच्चों के लिये भी इस अनुपूरक बजट में प्रावधान रखा है । हम आंगनबाड़ी और मिनी आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण कर रहे हैं, हमने तृतीय अनुपूरक में 3 करोड़ 71 लाख का प्रावधान किया है ।

(भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों द्वारा गर्भगृह में रहते हुए नारे लगाये गये)

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, छत्तीसगढ़ में हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी ने छत्तीसगढ़ की परंपराओं को जीवित रखने का काम किया है । छत्तीसगढ़ में हमारे खान-पान, हमारे तीज-त्यौहार, हमारे खेल इसके लिये हमारे मुख्यमंत्री जी ने लगातार प्रयास किया ।

उपाध्यक्ष महोदय :- अभी और भी माननीय सदस्यों को बोलना है । आप बैठ जाईये ।

श्री प्रकाश शक्राजीत नायक :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, हमारे छत्तीसगढ़ के जो खेल हैं जो कि विलुप्त हो गये थे । हमने उन सब खेलों को जीवित किया है । चाहे वह खोखो, कबड्डी या फुगड़ी हो । चाहे गिल्ली-डंडा या बांटी-कंचा हो, सबको हमने किया है इसके लिये भी हमने 21 करोड़ 90 लाख रूपये का प्रावधान इस बजट में रखा है ।

उपाध्यक्ष महोदय :- चलिये नायक जी समाप्त करें । डॉ. लक्ष्मी ध्रुव जी ।

श्री प्रकाश शक्राजीत नायक :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिये समय दिया इसके लिये आपको बहुत-बहुत धन्यवाद ।

उपाध्यक्ष महोदय :- मेरा प्रतिपक्ष के सभी सदस्यों से अनुरोध है कि सभा से बाहर चले जायें । डॉ. लक्ष्मी ध्रुव ।

(भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों द्वारा गर्भगृह में रहते हुए नारे लगाये गये)

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव (सिहावा) :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आज हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी ने अनुमान बजट पारित किया है, मैं उसका समर्थन करती हूं । आज माननीय मुख्यमंत्री जी ने चाहे गांव के लिये, चाहे किसान के लिये हो, चाहे गरीब के लिये हो, चाहे मजदूर के लिये हो, चाहे व्यापारियों के लिये हो, चाहे महिलाओं के लिये हो, चाहे युवाओं के लिये हो, चाहे वन क्षेत्र के लिये हो, चाहे आदिवासियों के लिये हो, चाहे हरिजन के लिये हो, चाहे पिछड़ा वर्ग के लिये हो इतना सुंदर काम किया है और उस काम से छत्तीसगढ़ की जनता प्रसन्न है । इनको कोई मुद्दा नहीं मिल रहा है इसलिये ये लोग यहां पर डिस्टर्ब करने की कोशिश कर रहे हैं और इसको छत्तीसगढ़ की जनता भली-भांति देख रही है ।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं 4 हजार 143 करोड़ 60 लाख 71,652 रूपये के समर्थन में अपने विचार व्यक्त करना चाहती हूं । मैं मांग संख्या- 8, 10, 12, 13, 20, 21, 24, 29, 30, 33, 39, 41 पर अपने विचार रखना चाहती हूं । ये चावल चोर की बात कर रहे हैं । ये खुद अपना गिरेहबान झांककर देखें कि किसने चोरी की है । ये नान घोटाला को भूल गये, हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी तो कोरोनाकाल से लेकर आज तक इतने सस्ते दरों पर और मुफ्त में चावल और राशनकॉर्ड बना रहे हैं । ये लोग तो राशनकॉर्ड को भी खा गये थे । गांव-किसान और मजदूर के साथ-साथ जिस तरह से उन्होंने राजीव न्याय योजना लागू की है और भूमिहीन किसानों को भी आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं उसके लिये उन्होंने 877.00 लाख का बजट दिया है तो इससे निश्चित रूप से छत्तीसगढ़ के भूमिहीन किसान एक न एक दिन भूमि के मालिक बनेंगे ऐसी हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी की सोच है । ये लोग न तो आदिवासियों को देखते हैं, इन्होंने न तो पिछड़े वर्ग को देखा, न तो अनुसूचित जनजाति को देखा । सुप्रीम कोर्ट के माध्यम से प्रमोशन को खत्म किया है और तो और आरक्षण के बिल को भी रोककर रखा है तो ये लोग छत्तीसगढ़ की जनता के बारे में क्यों सोचेंगे? जनता समझ रही है। अभी चुनाव होगा तो उसमें इन लोगों को पता चल जायेगा कि कितना जमीन में बैठकर हल्ला किये हैं। प्रधानमंत्री गतिशील योजना के अंतर्गत प्रदेश के सभी राजस्व ग्रामों का नक्शा, क्योंकि हमने किसानों के लिए काम किया है तो उनके लिए नक्शा कंट्रोल प्वाइंट और प्रचार-प्रसार के लिए भी बजट रखा है ताकि किसानों को सबकी जानकारी हो और वे कहीं पर भी न भटकें। छत्तीसगढ़ के माननीय मुखिया ने किसानों के हित में इतना काम किया है कि इन लोगों से बर्दाश्त नहीं हुआ। किसान 15 साल तक इनके पास गिड़गिड़ाये और मांगे, लेकिन उनको कर्जा में लाद दिया गया। इन लोगों ने कभी ध्यान नहीं दिया, क्योंकि इनकी नीति ही नहीं है। ये पूंजीपतियों की पार्टी, पूंजीपतियों पर ही ध्यान देगी। गांव के गरीब किसान पर ध्यान नहीं देंगे। छत्तीसगढिया का ढोंग रचते हैं, लेकिन इनका काम अडानी और अंबानी के लिए होता है, जो लूट कर रहे हैं, उनके लिए आई.टी. और ई.डी. तक को नहीं भेज रहे हैं। ये इतना भेदभाव? यहां संविधान ने समानता

का अधिकार दिया है, लेकिन ये लोग समानता का कहीं पालन नहीं करते और हमेशा भेदभाव की नीति, धर्मांधता की नीति और संविधान की उपेक्षा करते हैं तो इससे जनता क्या उम्मीद करेगी? माननीय उपाध्यक्ष महोदय, दूसरी बात जो है वह मुख्य फसलों के क्षेत्रफल की है, क्योंकि इन लोगों ने तो नापा भी नहीं था। राजीव गांधी किसान न्याय योजना के साथ सबके खेतों का क्षेत्रफल पूरा सिस्टेमेटिक ढंग से उसे बनाया है और उन्हें लाभ देने का प्रयास किया जा रहा है। उसी तरह जल संरक्षण के बारे में भी बजट दिया है। भू-जल संरक्षण और लिडार तकनीकी के माध्यम से 50 लाख रूपये का बजट दिया गया है। छत्तीसगढ़ का पर्यावरण अच्छा हो। सभी अच्छी सांसें लें। ऑक्सीजन अच्छा मिले और जो पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है, क्योंकि इनके अडानी अंबानी कारखाने-कारखाने खोल रहे हैं, लेकिन पेड़ नहीं लगा रहे हैं, लेकिन छत्तीसगढ़ का वातावरण चाहे राजनीतिक प्रदूषण की बात हो, चाहे पर्यावरण प्रदूषण की बात हो, उसे दूर करने के लिए हरियाली प्रसार योजना, हमारे सी.एम. महोदय ने लागू किया है, जिसके लिए बजट दिया है। उसी तरह से इन लोगों ने 15 सालों में बहुत जंगल कटाई किया है। दूसरी बात रतनजोत के बारे में है। मेरे सिहावा विधान सभा क्षेत्र में रतनजोत ऐसे लगा दिये हैं, जिसमें एक भी फल ही नहीं होता, बल्कि उसमें भालू छिपकर हमारी जनता पर आक्रमण करते हैं। ऐसी सरकार को लज्जा आनी चाहिए कि इन लोगों ने सरकार के पैसे का घपला और कहीं भी बंदरबांट किया है। ये चीज इन लोगों को समझ में आनी चाहिए। हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी ने छत्तीसगढ़ के बजट में एक-एक पाई को जोड़ा है और हर क्षेत्र को भरभूर लाभ देने का और उसे बढ़ाने का प्रयास किया है। उसी तरह से गुमशुदा बच्चों के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय न हो, उसे रोकने के लिए भी अपराधों पर नियंत्रण करने के लिए भी बजट दिया है। मैं इसका समर्थन करती हूं, आभार व्यक्त करती हूं। मैं प्रधानमंत्री आवास योजना के बारे में कहना चाहूंगी। ये विपक्ष के नेता क्या ये लोग घर-घर जाकर, आवेदन लेकर अभी दे सकेंगे। इनके प्रधानमंत्री तो दे नहीं पाये। कटौती कर दिये। 90 प्रतिशत और 10 का था। इन्होंने 50 और 60 का कर दिया है और यहां तक की हमारे जी.एस.टी. के पैसे को भी नहीं दे रहे हैं, तब भी हमारे मुखिया ने अनेक प्रकार के कार्यक्रम बनाये ताकि गरीब जनता को उनका आवास मिले। इन लोगों के जैसे लोगों को दिखाने के लिए नौटंकी नहीं करते । माननीय मुख्यमंत्री जी ने जो कहा है सो किया है, इसलिए छत्तीसगढ़ की एक-एक जनता कहती है कि "भूपेश है तो भरोसा है।" कका है तो भरोसा है। माननीय मुख्यमंत्री जी ने पूरे विधानसभा के सभी क्षेत्रों का भ्रमण किया है। उसमें हर जगह नारा लगाया गया है, "भूपेश है तो भरोसा है।" हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी के उपर इतना विश्वास है। क्योंकि गरीबों के हितैषी, किसानों के हितैषी, महिलाओं के हितैषी, बच्चों के हितैषी, युवाओं के हितैषी, सब के लिए काम किया है। मैं चाहे राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की बात कहूं, चाहे राष्ट्रीय रोजगार गारंटी अधिनियम की बात कहूं, चाहे ठाकुर प्यारे लाल ग्रामीण विकास संस्थान की बात कहूं, फोटो मशीन जैसी छोटी सी चीज के लिए देख करके बजट दिया है। उसी तरह से शिक्षा के क्षेत्र में चाहे पंचायत के शिक्षक हो, चाहे

नगरीय निकाय के शिक्षक हों, उसके लिए भी उन्होंने बजट दिया है, निश्चित तौर से उनकी समस्याएं हल होंगी। उसी तरह से जो छात्रावास हैं, उनकी भी शिष्यवृत्ती बढ़ाई गयी है, छात्रावास के विकास के लिए भी बजट दिया है। राज्य सहकारी विपणन संघ को भी खाद्य उपार्जन के लिए बजट दिया है ताकि हमारे किसानों को किसी भी प्रकार की तकलीफ न हो, इसलिए यह अनुदान दिया है। मैं एक और बात बताना चाहती हूं, छत्तीसगढ़ी संस्कृति और खेलकूद, छत्तीसगढ़िया ओलंपिक का आयोजन किया गया। उस छत्तीसगढ़िया ओलंपिक में क्या बूढ़े, क्या जवान, क्या महिलाएं, इतना उत्साहपूर्वक भाग लिए कि इनकी 15 साल की दमन नीति से वे लोग अपने आपको उबारे हैं और खुशी व्यक्त की है कि सरकार हो तो ऐसी सरकार हो। हमारी सरकार ने छत्तीसगढ़िया खेलों को भी बढ़ावा दिया है, चाहे वह तीज त्यौहार हो, चाहे खेलकूद हो, चाहे यहां के संसाधन हो, सबको समेटने का सबको आगे बढ़ाने का और सबके घर समृद्धि लाने का प्रयास किया है। चाहे आदिवासी हो, चाहे ओ.बी.सी. हो, चाहे एस.सी. हो, उनके यहां समृद्धि लाने के लिए वनोपज, कोदो कुटकी और रागी का भी समर्थन मूल्य दिया है। यह लोग 15 साल तक केवल लालीपाप दिखाते रहे और पैसा कहां जाता था, पता नहीं चलता था। उपाध्यक्ष महोदय, स्काईवॉक बनाने की क्या जरूरत है ? किसानों को ज्यादा पैसे की जरूरत थी लेकिन इन्होंने किसानों के उपर धमतरी में लाठीचार्ज किया, आंसूगैस दिखाए। राज्य सरकार की तो की, केन्द्र सरकार भी किसानों के साथ कम अत्याचार नहीं की है और यहां यह लोग किस मुंह में खड़े होकर बात करते हैं। इसको समझना चाहिए। इनकी नीति को समझना चाहिए। पूंजीपति, पूंजीपतियों को बढावा, जब एल.आई.सी, स्टेट बैंक, का खाता हो गया तो वहां ई.डी. भेजना चाहिए या नहीं, छत्तीसगढ़ में तो सारा पैसा रखे हैं, दिये नहीं हैं। इनको यहां ई.डी बैठाकर क्या मिलेगा ? यह सब चीजों को सोचना है और छत्तीसगढ़ की जनता बहुत अच्छे से समझ गयी है। आने वाले समय में यह जिस तरह से 14 लोग बैठे हैं, वह 14 लोग भी नहीं बचने वाले हैं। पूरे 90 के 90 विधायक यहां जीतकर आएंगे ताकि इनको कोई बोलने का मौका नहीं मिलेगा। क्योंकि यह लोग बोलने के लिए काम ही नहीं कर रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, उसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

उपाध्यक्ष महोदय :- श्रीमती संगीता सिन्हा जी।

(भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों द्वारा लगातार नारे लगाए जाने पर)

श्री रामकुमार यादव :- उपाध्यक्ष जी, ए हनुमान मन के जोन पाठ पढ़त रहिस

"काला पानी समुद्र के, लक्ष्मण देख डराय हो, (व्यवधान) ए ओखर स्वाहा हरे।

उपाध्यक्ष महोदय :- चलिए, आप बोलिए।

श्रीमती संगीता सिन्हा (संजारी बालोद) :- माननीय उपाध्यक्ष जी, माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी ने वित्तीय वर्ष 2022-2023 के तृतीय अनुपूरक बजट चार हजार एक सौ तिरालिस करोड, साठ

लाख, इकहत्तर हजार, छः सौ बावन रूपये का पेश किया गया है, मैं उसके समर्थन में बोलने के लिए खड़ी हुई हूं।

(भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों द्वारा लगातार नारे लगाए जाने पर)

खाद्य मंत्री (श्री अमरजीत भगत) :- महिलाओं का भाषण अगर बाधित करोगे तो महिला विरोधी कहलाओगे।

उपाध्यक्ष महोदय :- संगीता सिन्हा जी, एक मिनट। हमारे प्रतिपक्ष के सभी सदस्यों से अनुरोध करता हूं कि वे सभा से बाहर चले जाएं।

श्रीमती संगीता सिन्हा :- माननीय उपाध्यक्ष जी, हमर यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय भूपेश बघेल जी, छत्तीसगढ़िया सरकार लाय हे। आज हमला लगथे कि हम छत्तीसगढ़ में राज करत हन। ये जो हमर विपक्ष के साथी मन बात रखत हे। आज एमन ला भगवान याद आत हे, आज एमन ला हनुमान चालीसा याद आत हे अउ अभी तक एमन ला कुछु याद नहीं आए रीहिस हे। आज तक एमन न राम-राम के बात करे रीहिस हे अउ कुछ भी नहीं करे रीहिस हे। आज हमर माननीय मुखिया हा जो बजट लाहे, जो छत्तीसगढ़ी राज के, जो छत्तीसगढ़िया के सम्मान के बात करे हे, हर वर्ग के लिए काम करे हे।

श्री बृहस्पत सिंह :- यह बहुत अच्छा बोल रही हैं, आप लोग इनको सुनकर कुछ सीखो।

श्रीमती संगीता सिन्हा :- आज हमर छत्तीसगढ़िया मुख्यमंत्री जी हा हर वर्ग के लिए काम करत हे। चाहे वह आदिवासी साथी हो, चाहे युवा साथी हो, चाहे हमर महिला वर्ग के मन हे, हर क्षेत्र में । ले न, बोलो न-बोलो। आप मन खाना नहीं खाए होहु ता खा के आ जाओ, तहन चिल्लात रहाव, बोलत रहाव। हमर जो मुखिया जी हे ओहा आज आप मन के मोबाइल ला बंद करवा के भांवरा-बट्टी, बांटी पकड़ाहे। हमर मुखिया जी हा हमर संस्कृति ला उजागर करे हे। आप मन इतना सारा मोबाइल बांटेव, जो कि वेस्ट होहे। साथ में आपके भ्रष्टाचार इतना बढ़े रीहिस कि नसबंदी कांड आए रीहिस हे। नसबंदी कांड आए से आदिवासी मन के शोषण होहे। आप हर वर्ग ला शोषित करे के काम करे हो। आज आप मन हा उज्जवला योजना बांटे हो। आप मन उज्जवला योजना बांटे हो, आप मन हा हमर गांव के बहिनी मन ला ए बोले रहे हो कि हर घर मा गैस जलही, लेकिन नहीं, आज रसोई गैस मा 50 रूपया अउ कॉमर्शियल गैस मा 350 रूपया के बढ़ोतरी हो हे। आप मन सिर्फ लूटे के काम करत हो, आप मन ला आवाज उठाए के जरूरत नहीं हे। हमर मुखिया हा हर क्षेत्र में काम करत हे। आज गोबर से पेन्ट बनाये जात हे। आज हर जगह गोबर से पेन्ट बनाये जात हे। आप मन गोबर ले के हंसी उड़ाये रहे हव। हमर जो संस्कृति हे, ओला हमन ला बना के रखना हे अउ ओखर साथ में हमर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन योजना के लिए 250 करोड़ रूपये के प्रावधान करे हे अउ दवाई सामग्री के लिए 210 करोड़ रूपये के प्रावधान हे। आज हमर मुखिया हा शिक्षा के क्षेत्र में भी आगे बढ़ाए के काम करत हे अउ आत्मानंद स्कूल चलात हे। आज हमर गरीब से गरीब बच्चा मन आत्मानंद स्कूल में इंग्लिश मीडियम में पढ़ाई करत हे। आप मन तो हर

स्कूल ला बंद कराए के काम करे हो। आप मन ला आवाजा उठाए के कोई अधिकार ए नहीं हे। साथ में चंदूलाल चिकित्सा महाविद्यालय में 150 करोड़ रूपये के प्रावधान रखे हे।

माननीय अध्यक्ष महोदय, हमर मुखिया हा हर क्षेत्र में आगे बढ़ाए के काम करत हे। ओलम्पिक गेम के लिए तृतीय अनुपूरक में 21 करोड़ 90 लाख रूपये के प्रावधान करे हे। आप ला बोले के कोई अधिकार नहीं हे। आप ला चिल्लाए के भी अधिकार नहीं हे। आप मन जो हमर छत्तीसगढ़िया के विरोध करत हो, आप ला एखरो अधिकार नहीं हे। हमर मुखिया हा हर क्षेत्र में काम करत हे। हर वर्ग के लिए काम करत हे। शिक्षा के क्षेत्र में काम करत हे। जेखर कर एको एकड़ जमीन नहीं हे ओ भूमि विहीन मन ला 7 हजार रूपया पइसा दे के काम करत हे। बिजली बिल हाफ के बात करहुं। हमर जो नेता प्रतिपक्ष बइठे हे, तिही बोले रीहिस कि बिजली बिल हाफ होही ता मैं कंडिल में देख के देखत रहे हो अउ चेक करत रहे हो। अब अतना अफवाह उड़ाये के बात करथे। आप मन के सरकार हा 15 साल में सिर्फ भ्रष्टाचार करे हे। हमर अइसे मुखिया के ऊपर आप मन आंच उठात हो, उंगली उठात हो। यदि आप मन हा भाग नहीं ले सको तो आप मन ला आवाज उठाए के भी अधिकार नहीं हे। हमर जो सरकार हे ओहा हर वर्ग ला साथ में लेकर गौधन न्याय योजना में हमर बहिनी मन ला काम देहे। हमर बहिनी मन हा साथ में काम करत हे। आप मन हा गोबर के हर जगह हंसी उड़ाये हो। आज मोदी जी हा हर जगह गोबर ला संचालित करे के काम करत हे, हर राज्य में ओखर अनुसरण करत हे अउ हर राज्य में ओला उतारे के प्रयास करत हे। आप मन महिला के प्रति आवाज उठाएव।

उपाध्यक्ष महोदय :- चलिये, संगीता जी, आपकी पूरी बात आ गई। लगभग-लगभग आपकी पूरी बात आ गई।

श्रीमती संगीता सिन्हा :- झलियामारी कांड होए रीहिस हे, ओहा आपके शासनकाल में होहे।

उपाध्यक्ष महोदय :- संगीता जी, समाप्त करें।

श्रीमती संगीता सिन्हा :- आपके शासनकाल में महिला मन ला अपमानित किये जात रीहिस हे। आपके शासनकाल में हमर श्रीमती सोनिया गांधी जी ला विधवा बोले गेहे। यह बहुत गलत हे।

श्री अमरजीत भगत :- अकेली महिला सबपर भारी।

उपाध्यक्ष महोदय :- संगीता जी।

श्रीमती संगीता सिन्हा :- आपके शासनकाल में महिला मन के बहुत अपमान होहे, युवा बेटी मन के बहुत अपमान होहे, आदिवासी भाई मन के बहुत अपमान होहे। अइसे सरकार ऊपर धिक्कार हे। आप मन हा 15 साल के सरकार मा कुछ नहीं कर पाएव। आज हमर मुखिया बइठे हे, आज मुखिया के सामने हम सुरक्षित हन अउ हम सुरक्षित होके काम करथन। हम महिला आगे बढ़थन, हम महिला के सम्मान होवथे । आज हर महिला के चेहरा में एक खुशी झलकथे । आज वह सम्मान झलकथे । हर महिला आत्मनिर्भर हे । गौठान में काम करके हर महिला आगे बढ़थे । आज के क्षेत्र में हम महिला

सबसे आगे हन, हम अईसन सरकार के समर्थन करथन, अईसन सरकार ला आगे बढ़ाए के काम करथन । हमर मुखिया ला बोले जाथे, हर जगह नारा होथे कि भूपेश हे तो भरोसा हे । मैं यह भी कहना चाहथौं कि हमर मुखिया ह समाज ला एक करे के काम करे हे, राजनीति में एक करे के काम करे हे, साथ में एक परिवार ला एक करे के काम करे हे । हर जगह हमर मुखिया हमर संस्कृति ला उजाकर करे के काम करे हे । ओकर सेति हम मुखिया ला बहुत-बहुत धन्यवाद देवत हन और तृतीय अनुपूरक के हम समर्थन करथन । धन्यवाद । जय हिन्द ।

उपाध्यक्ष महोदय :- माननीय मुख्यमंत्री जी । (मेजों की थपथपाहट)

(सत्ता पक्ष के सदस्यों द्वारा नारे लगाये गये)

मुख्यमंत्री (श्री भूपेश बघेल) :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, तृतीय अनुपूरक अनुमान 2022-23 में भाई देवेन्द्र यादव जी, भाई शैलेश पांडे जी, भाई प्रकाश नायक जी, डॉ लक्ष्मी ध्रुव जी, श्रीमती संगीता सिन्हा जी ने भाग लिया, उन्होंने बहुमूल्य सुझाव दिए हैं, मैं उन्हें धन्यवाद देता हूं ।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, 2022-23 के बजट में व्यय प्रावधान-मुख्य बजट में में 1 लाख, 4 हजार करोड़ रूपए, प्रथम अनुपूरक का आकार 2904 करोड़ रूपए, द्वितीय अनुपूरक का आकार 4338 करोड़ रूपए और तृतीय अनुपूरक का आकार 4143 करोड़, 60 लाख है । कुल मिलाकर 1 लाख, 15 हजार 385 करोड़ रूपए है । तृतीय अनुपूरक में कुल व्यय 4144 करोड़ और राजस्व व्यय 2575 करोड़ रूपए और पूंजीगत व्यय 1569 करोड़ रूपए है ।

उपाध्यक्ष महोदय, अब आप लोग सुन ही लो । अभी ये लोग नारा लगा रहे थे। एक झने हांव-हांव कर रहे थे, एक झने हिल-डूल रहा था । कुछ खड़े हैं, कुछ बैठ गए हैं । सुन लीजिए, मैं आप लोगों को ही बोल रहा हूं । मैंने स्वास्थ्य मंत्री को कहा है कि रेबीज की व्यवस्था कर लें, रेबीज की व्यवस्था तुरंत करा लो, स्टॉक में है या नहीं क्योंकि हांव-हांव कर रहे हैं और हांव-हांव कौन करता है ?

स्वास्थ्य मंत्री (श्री टी. एस. सिंहदेव) :- आ गया है ।

श्री भूपेश बघेल :- अध्यक्ष महोदय, जब किसी को काट लेता है, तब हांव-हांव करते हैं ।

श्री टी. एस. सिंहदेव :- आ गया है ।

श्री भूपेश बघेल :- हां, चेक कराना पड़ेगा ।

समय :
2:29 बजे

(अध्यक्ष महोदय (डॉ. चरण दास महंत) पीठासीन हुए)

अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात यह है कि हमारे अजय जी बैठे-बैठे कभी ऐसे हिल रहे थे, कभी ऐसे हिल रहे थे । ऐसा लग रहा था कि वे जहाज में हैं । अजय जी, जहाज में चले गए थे और जहाज में चले गए थे तो कभी ऐसे हिल रहे थे, कभी ऐसे हिल रहे थे । जब व्यक्ति बुजुर्ग हो जाता है, जब

महिलाएं 80-90 साल की हो जाती हैं, तो उसका सिर ऐसे-ऐसे हिलता है । जब आदमी बुजुर्ग हो जाता है तो उसका सिर ऐसे-ऐसे हिलता है । मुझे समझ नहीं आ रहा है कि हैं क्या ?

माननीय अध्यक्ष महोदय, बस्तर में जो शांति लौट रही है तो इनको बर्दाश्त नहीं हो रही है । इनको बर्दाश्त नहीं हो रहा है कि शांति कैसे लौट आई है ? हमने 15 साल तक जितना आग लगाया, वहां बस्तर में जितना जलाया, उस पर शांति कैसे लौट रही है, आदिवासी शांत कैसे हैं, आदिवासी पलायन क्यों नहीं कर रहे हैं, लोगों के घर क्यों नहीं उजड़ रहे हैं, बम क्यों नहीं फूट रहे हैं, गोलियां क्यों नहीं चल रही हैं, इसमें कमी क्यों आ गई, ये सब इनको बर्दाश्त नहीं हो रहा है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, ये कोयला चोरी की बात करते हैं, रेत चोरी की बात करते हैं। इनके नेता पूरे देश को बेच रहा है। ये रेत की बात करते हैं, ये पूरा खदान बेचने का काम कर रहे हैं। पूरे देश का खदान, पूरा रेल्वे स्टेशन सब को बेच रहे हैं। ये पूरे देश को बेचने वाले लोग हैं, वह क्या बात करेंगे ? आपकी आवाज से हमारी अवाज बंद नहीं होगी। जनता सुन रही है। इन्होंने राहुल जी के भाषण को विलोपित करवाया, खड़गे साहब के भाषण को विलोपित करवाया, लेकिन देश और दुनिया सुन रही है कि राहुल जी क्या बोल रहे हैं और खड़गे साहब क्या बोल रहे हैं। पूरा देश देख रहा है। (मेजों की थपथपाहट)

माननीय अध्यक्ष महोदय, ये चाउर चोर लोग बोलेंगे, चाउर चोर लोग ? गरीबों का चावल डकार गये और जांच कराओ तो पी.आई.एल. एक्सपर्ट धरम लाल कौशिक जी, जब चावल चोरी की जांच कराते हैं तो वे हाईकोर्ट चले जाते हैं। हाईकोर्ट ने रोक लगा दिया। ये कहते हैं जेब से पर्ची निकालो, हां, निकालेंगे, लेकिन सवाल इस बात का है कि जब हम झीरमघाटी की जांच कराने जाते हैं तो ये हाईकोर्ट रोक लगाने क्यों चल देते हैं। जांच कराने से रोकवा रहे हैं तो ये क्या बात करेंगे ? माननीय अध्यक्ष महोदय, हम एक-एक बात रखेंगे। लेकिन आप उसको ज्यादा दिन तक रोक नहीं सकते, ये कांग्रेस की आवाज को रोक नहीं सकते हैं। जनता जान रही है कि झीरम घाटी का असली दोषी कौन है ? आप इनका (श्री कवासी लखमा मंत्री) नार्को टेस्ट कराना चाहते हैं। इनका (भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों की ओर ईशारा करते हुए) नार्को टेस्ट कराओ, पता चल जायेगा और दूध का दूध और पानी का पानी हो जायेगा। इसका जांच कराईये और एन.आई.ए. को जांच के लिए दे दीजिये।

माननीय अध्यक्ष महोदय, आज आप स्थगन लाये थे। आप स्थगन किसलिए लाये कि इनके 3 कार्यकर्ताओं की हत्या हो गई। मैं मानता हूं कि उनकी हत्या हुई है, गलत हुआ है। हम उसकी निंदा करते हैं। लेकिन भीमा मण्डावी की हत्या हुई थी तो उसकी हम जांच कर रहे थे और आप एन.आई.ए. से जांच करवा लिए। अभी 3 लोगों की हत्या हुई है उसकी एन.आई.ए. जांच क्यों नहीं करती है ? हमारे डी.जी. साहब ने भारत सरकार को चिट्ठी लिखी है कि उसकी जांच एन.आई.ए. से कराईये। आप क्यों जांच नहीं करवाते ? आपको जांच से कोई लेना-देना नहीं है, आप केवल राजनीति करना चाहते हैं, लाशों

की राजनीति करना चाहते हैं। आप एन.आई.ए. से जांच करवाईये, आपको कौन रोक रहा है ? आप बस्तर को शांत नहीं होना देना चाहते हैं। वहां कौन जाते हैं ? हमारे साथी बोल रहे हैं कि किसके समय में ज्यादा धर्मान्तरण हुआ है ? किसके समय में ज्यादा चर्च बना है ? आप अपने समय में बने चर्च की संख्या निकाल लीजिये। इनके समय में सबसे ज्यादा चर्च बना है। यदि सबसे ज्यादा धर्मान्तरण हुआ है तो इनके कार्यकाल में हुआ है और ये धर्म की बात करते हैं।

माननीय अध्यक्ष महोदय, बृजमोहन जी एक भजन तो गा नहीं सकते, हनुमान चालीसा तक नहीं पढ़ पा रहे हैं। ये हनुमान चालीसा भी नहीं पढ़ रहे हैं और धर्म की राजनीति करते हैं। (मेजों की थपथपाहट) आप हनुमान चालीसा भी नहीं पढ़ पा रहे हैं, आप राम का एक भजन नहीं गा पा रहे हैं। ये केवल धर्म के नाम से वोट ले सकते हैं, लेकिन पालन नहीं कर सकते हैं। इनको 15 साल मौका मिला था, चन्द्रखुरी में माता कौशल्या का मंदिर 10 किलोमीटर दूर है, वह तक नहीं बनवा पाये। रमन सिंह वहां 15 साल झांकने तक नहीं गये। ये क्या राम की बात करेंगे ? ये क्या कौशल्या माता की बात करेंगे ? ये एक राम मंदिर बना नहीं पा रहे हैं, हम तो यहां छत्तीसगढ़ में 3-3 राम की मूर्ति स्थापित कर दिए। अध्यक्ष महोदय, ये हमसे धर्म की बात करेंगे ? धर्म के नाम से लूटने का काम करते हैं। इनका आखिरी अस्त्र था, उसको भी नहीं कर पा रहे हैं।

श्री बृहस्पत सिंह :- उनका आखिरी दिन आ गया है।

श्री भूपेश बघेल :- सत्ता लोलुपता कितनी ? हम लोग विपक्ष में थे, हम लोग भी व्हेल में आते थे। लेकिन कभी भी जाकर कुर्सी में नहीं बैठते थे। ये सत्ता के दिन में चिपके तो चिपके अभी भी कुर्सी में बैठे हुए हैं। कुर्सी से चिपके हैं, कुर्सी छोड़ नहीं पा रहे हैं । यहां पर बैठे, यह हमको सीख देंगे, ये हम लोगों को सिखाने की बात करते हैं ? अध्यक्ष महोदय, आज अनुपूरक बजट रखा हुआ है, उस दिन स्थगन नहीं लगता, लेकिन यह लोग जानबूझकर ऐसा कर रहे हैं, चर्चा करना है तो अनुपूरक में चर्चा कर लेते, सारी बातें आती । कल विधान सभा में राज्यपाल जी का धन्यवाद ज्ञापन है, उसमें चर्चा कर ले, इनको कौन रोक रहा है ? इनको पता है, यह जो मुद्दा उठा रहे हैं, वह टिकने वाला नहीं है, इसलिए घड़ियाली ऑंसू बहा रहे हैं । अध्यक्ष महोदय, महादेव एक्ट के बारे में बात कर रहे थे, सट्टा के बारे में बात कर रहे थे, हमने पूरे देश में सट्टा के खिलाफ एफ.आई.आर. किया, यदि कार्यवाही हुई है तो केवल छत्तीसगढ़ में हुई है, यहां जुआ, सट्टा के खिलाफ सख्त कानून बना है । अध्यक्ष महोदय, यह कानून केवल छत्तीसगढ़ में बना है । अध्यक्ष महोदय, अब मैं कहना चाहता हूँ, इन लोग हल्ला किये, इसमें कांग्रेसी नेताओं का नाम है, इस विधायक का नाम है, इस पदाधिकारी का नाम है, तुरन्त इन लोग दिल्ली की ओर दौड़े, वहां ई.डी. से जांच करवाये, उसमें मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के बड़े-बड़े नेताओं का नाम है, उत्तरप्रदेश के भाजपा के बड़े-बड़े नेताओं का नाम है, ई.डी. को सांप सूंघ गया है, ये जांच नहीं कर रहे हैं, करे वहां के व्यक्ति क जांच, कौन रोक रहा है, ये ई.डी. से काम करवाना चाहते

हैं । अध्यक्ष महोदय, हम लोग चोरों से नहीं डरे हैं, हम लोग चोरों से नहीं डरने वाले हैं, हम चोरों से नहीं डरेंगे, हिन्दुस्तान को लूट लिया, यह क्या बात करेंगे ? जांच क्यों नहीं करवा रहे हैं, मांग करो । रमन सिंह जी, आप ही के कार्यकाल में सारे खदान दिये गये हैं, सारा खदान अडानी जी को गया है, यह जो बैलाडीला का 14 नंबर का खदान है, हमने निरस्त करने का आवेदन किया है । एचसीएल कंपनी बनी, हम कह रहे हैं, निरस्त करो । आज तक एन.एम.डी.सी. बोर्ड की मीटिंग तक नहीं बुला रहा है, यह शिवरतन शर्मा जी, अडानी का फैसला हुआ था, यह बात करेंगे ? चोरी करवाने का काम इन लोगों का है, डकैती करवाने का काम इन लोगों ने करवाया है ।

अध्यक्ष महोदय, वर्ष 2022-2023 के तृतीय अनुपूरक अनुमान के महत्वपूर्ण प्रावधान निम्नानुसार है । जल जीवन मिशन, वर्ष 2022-2023 में लगभग 24 लाख ग्रामीण परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है । उपरोक्त लक्ष्य की पूर्ति हेतु निर्माणाधीन कार्यों के लिये 900 करोड़ का अतिरिक्त प्रावधान तृतीय अनुपूरक में किया गया है । (मेजों की थपथपाहट) अध्यक्ष महोदय, कृषक जीवन ज्योति योजना, राज्य में 5 हार्स पॉवर तक के कृषि पम्पों के लिये....।

(प्रतिपक्ष के द्वारा गर्भ गृह में भजन गाने पर)

श्री भूपेश बघेल :- बैटरी डाऊन हो गया क्या, और जोर से, लगाओ नारा, नया मुल्ला है, जोर से बजा । अध्यक्ष महोदय, कृषक जीवन ज्योति योजना, राज्य में 5 हार्स पॉवर के कृषि पम्पों के लिये नि:शुल्क विद्युत प्रदाय सुविधा दी जा रही है, हमारी सरकार ने मछली पालन हेतु भी कृषि के सामान विद्युत दर की सुविधा देने का निर्णय लिया है, अत: मछली पालकों को भी कृषि पम्पों के सामान नि:शुल्क विद्युत सुविधा का लाभ देने के लिये कृषक जीवन ज्योति योजना हेतु तृतीय अनुपूरक में 341 करोड़ की राशि का अतिरिक्त प्रावधान किया गया है। सी.एम.आर. में वृद्धि की राशि हेतु अनुदान, धान मिलिंग का कार्य समय-सीमा में पूरा करने हेतु कस्टम मिलिंग के दरों में वृद्धि की गयी है। उक्त राशि राज्य सहकारी विपणन संघ को प्रतिपूर्ति करने हेतु तृतीय अनुपूरक में 700 करोड़ का प्रावधान किया गया है। अन्नदाताओं ने 107 लाख मिट्रिक टन धान उत्पादन किया है और हमारे राइस मिलर्स, हमारी सहकारी समिति के साथी, सब मिलकर आज 103 लाख मिट्रिक टन धान का उठाव हो चुका है। उसके लिये हमने यह व्यवस्था की है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के बारे में बताना चाहूंगा, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना निर्माणाधीन सड़कों के लिये 321..। बैटरी डाऊन। कौशिक जी, सिर भर मत हिलाईये, कुछ बोलिये। थोड़ा नारा लगाईये। थोड़ा जोर से, पुन्नू भैया थोड़ा जोर से।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत निर्माणाधीन सड़कों के लिये तृतीय अनुपूरक में 321 करोड़ का प्रावधान किया गया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन जिला चिकित्सालय योजना के बारे में बताना चाहूंगा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन योजना के लिये 250 करोड़ का प्रावधान किया गया है। जिला चिकित्सालयों में

दवाइयां तथा सामग्री की आपूर्ति के लिये 210 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इसमें रेबिज का और ऐड्स का डोज ले लीजिएगा। पहले कुछ और बोल रहे थे, रेबिज का नाम सुनते ही आवाज बदल गई।

चंदूलाल चंद्राकर चिकित्सा महाविद्यालय दुर्ग के अधिग्रहण के लिए तृतीय अनुपूरक में 150 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इस राशि से महाविद्यालय के भवन एवं चिकित्सा उपकरणों की राशि की प्रतिपूर्ति की जाएगी। प्रधानमंत्री आवास, प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए 116 करोड़ का प्रावधान किया गया है। घरेलू उपभोक्ताओं को विद्युत देयकों में राहत, चालू वित्त वर्ष के दौरान 42 लाख 10 हजार घरेलू उपभोक्ताओं को बिजली बिल हॉफ योजना के तहत विद्युत देयकों को 1 हजार 115 करोड़ रूपये का राहत प्रदाय किया जाना है। इसके लिए तृतीय अनुपूरक में 19 करोड़ 14 लाख रूपये का प्रावधान किया गया है। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं का सुदृढ़ीकरण, आधुनिक स्वचालित उद्योगों की मांग को देखते हुए प्रदेश में संचालित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु टाटा टेक्नॉलॉजी पुणे के साथ एम.ओ.यू. किया गया। इसके तहत 36 शासकीय आई.टी.आई. को टेक्नॉलॉजी हब के रूप में विकसित किया जायेगा। प्रत्येक आई.टी.आई. के लिये नये उपकरण एवं तकनीकी की स्थापना पर 35 करोड़ के मान से 1200 करोड़ की कार्ययोजना तैयार की गई है। इस योजना में राज्य बजट से सहायता हेतु तृतीय अनुपूरक में 94 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। योजना खत्म होने पर प्रतिवर्ष राज्य के 9 हजार युवाओं को उच्च कोटि के प्रशिक्षण का लाभ मिलेगा। कैम्पा मद, कैम्पा मद के तहत क्षतिपूर्ति वृक्षारोपण, वन एवं वन्य प्राणी संरक्षण तथा भू-जल संरक्षण से संबंधित विभिन्न कार्य वन क्षेत्र में कराए जा रहे हैं। इस मद में स्वीकृत कार्यों के लिए 200 करोड़ का प्रावधान किया गया है। अन्य पिछड़े वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति, अन्य पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों को पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिये 150 करोड़ का प्रावधान किया गया है (मेजों की थपथपाहट)। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन योजना के लिये 7 करोड़ 59 लाख का प्रावधान किया गया है। आंगनबाड़ी एवं मिनी आंगनबाड़ी केंद्रों में शौचालय निर्माण के लिये 3 करोड़ 73 लाख का प्रावधान किया गया है। छत्तीसगढ़िया ओलंपिक, जिसके यह लोग घोर विरोधी है। छत्तीसगढ़िया ओलंपिक के विजेताओं को पुरस्कार देने के लिए 21 करोड़ 90 लाख रूपये का प्रावधान किया गया है । (मेजों की थपथपाहट) धरमजयगढ़ विकासखण्ड के ग्राम-छार, में पोस्ट मैट्रिक जनजाति कन्या छात्रावास पथरा-टोली विकासखण्ड दुलदुला जिला जशपुर में प्री मैट्रिक अनुसूचित जनजाति कन्या छात्रावास की स्थापना की जायेगी। नरहरपुर जिला कांकेर में आदिवासी बालक क्रीड़ा परिसर की स्थापना की जायेगी। राजनांदगांव में पोस्ट मेट्रिक अनुसूचित जाति बालक छात्रावास गोलापल्ली जिला सुकमा में प्री मेट्रिक अनुसूचित जाति, जनजाति बालक छात्रावास तथा सियालटोली जिला जशपुर में बालक एवं बालिका छात्रावास के भवन निर्माण हेतु प्रावधान किया गया है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार से तृतीय अनुपूरक में चार हजार, एक सौ चौवालिस करोड़ इसमें राजस्व व्यय दो हजार पांच सौ पचहत्तर करोड़ रूपये और पूंजीगत व्यय एक हजार पांच सौ उनहत्तर करोड़ रूपये तय, अनुमानित है और आपके माध्यम से पूरे सदन से आग्रह करता हूँ कि इसे ध्वनिमत से पारित करें। मैं आप लोगों से कहना चाहता हूँ कि अब दार भात चुर गे, मोर कहानी पूर गे, अब तुमन घर जा सकथौ। माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद्। (मेजों की थपथपाहट)

अध्यक्ष महोदय :- प्रश्न यह है कि - दिनांक 31 मार्च, 2023 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष में अनुदान संख्या - 1, 3, 6, 7, 8, 10, 11, 12, 13, 14, 19, 20, 21, 24, 25, 28, 29, 30, 32, 33, 37, 39, 41, 42, 43, 44, 47, 51, 55, 56, 64, 66, 69, 71, 76, 79 एवं 81 के लिए राज्य की संचित निधि में से प्रस्तावित व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को कुल मिलाकर चार हजार एक सौ तिरालिस करोड़, साठ लाख, इकहत्तर हजार, छः सौ बावन रूपये की अनुपूरक राशि दी जाये।

अनुपूरक अनुदान की मांगों पर प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

समय
3.47 बजे

शासकीय विधि विषयक कार्य

छत्तीसगढ़ विनियोग (क्रमांक-1) विधेयक, 2023(क्रमांक 3 सन् 2023)

मुख्यमंत्री (श्री भूपेश बघेल):- माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं, छत्तीसगढ़ विनियोग (क्रमांक-1) विधेयक, 2023 (क्रमांक 3 सन् 2023) का पुर:स्थापन करता हूँ।

मुख्यमंत्री (श्री भूपेश बघेल):- माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं, प्रस्ताव करता हूँ कि-छत्तीसगढ़ विनियोग (क्रमांक-1) विधेयक, 2023 (क्रमांक 3 सन् 2023) पर विचार किया जाए।

अध्यक्ष महोदय :- प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ-

अध्यक्ष महोदय :- प्रश्न यह है कि - छत्तीसगढ़ विनियोग (क्रमांक-1) विधेयक, 2023 (क्रमांक 3 सन् 2023) पर विचार किया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

अध्यक्ष महोदय :- अब विधेयक के खण्डों पर विचार होगा।

अध्यक्ष महोदय :- प्रश्न यह है कि खण्ड 2, 3 व अनुसूची इस विधेयक का अंग बने।

खण्ड 2, 3 व अनुसूची इस विधेयक का अंग बने।

अध्यक्ष महोदय :- प्रश्न यह है कि खण्ड 1 इस विधेयक का अंग बने।

खण्ड 1 इस विधेयक का अंग बना।

अध्यक्ष महोदय :- प्रश्न यह है कि पूर्ण नाम तथा अधिनियमन सूत्र इस विधेयक का अंग बने।

पूर्ण नाम तथा अधिनियमन सूत्र इस विधेयक का अंग बने।

मुख्यमंत्री (श्री भूपेश बघेल):- माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं, प्रस्ताव करता हूँ कि- छत्तीसगढ़ विनियोग (क्रमांक-1) विधेयक, 2023 (क्रमांक 3 सन् 2023) परित किया जाए।

अध्यक्ष महोदय :- प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ।

अध्यक्ष महोदय :- प्रश्न यह है कि- छत्तीसगढ़ विनियोग (क्रमांक-1) विधेयक, 2023 (क्रमांक 3 सन् 2023) पारित किया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

विधेयक पारित हुआ।

निलंबन समाप्ति की घोषणा

अध्यक्ष महोदय :- प्रक्रिया तथा कार्यसंचालन संबंधी नियमावली के नियम 250(1) के तहत माननीय सदस्यगण अपने स्थान को छोड़कर गर्भगृह में प्रवेश करने के कारण सभा की कार्यवाही से स्वयमेव निलंबित हो गये थे। उनका निलंबन समाप्त करता हूँ।

अध्यक्ष महोदय :- सभा की कार्यवाही शुक्रवार दिनांक 03 मार्च, 2023 को 11.00 बजे दिन तक के लिए स्थगित ।

(2 बजकर 50 मिनट पर विधान सभा शुक्रवार, दिनांक 03 मार्च, 2023 (फाल्गुन 12, शक सम्वत् 1944) के पूर्वाह्न 11.00 बजे तक के लिए स्थगित हुई।

दिनेश शर्मा
सचिव
छत्तीसगढ़ विधान सभा

रायपुर (छ.ग.)
दिनांक 02 मार्च, 2023

असंशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं